website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 27 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 07 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

सोनिया गांधी तबीयत खराब होने पर सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली । कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद दिल्ली के प्रतिष्ठित सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक उन्हें सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई, जिसके बाद परिवार के सदस्य उन्हें सोमवार रात लगभग 10 बजे अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल प्रशासन ने मंगलवार को आधिकारिक बयान जारी कर भर्ती की तस्दीक की। अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने बताया कि शुरुआती जांच में पाया गया कि ठंड और बढ़ते प्रदूषण के असर से उनका ब्रॉन्कियल अस्थमा हल्का बढ़ गया था। चेस्ट फिजिशियन की निगरानी में उनका इलाज शुरू किया गया और एहतियात के तौर पर भर्ती रखने का फैसला लिया गया। डॉक्टरों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य पर नज़र बनाए हुए है। अस्पताल के बयान के अनुसार सोनिया गांधी की हालत इस वक्त पूरी तरह स्थिर है और वह दवाओं पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रही हैं। उन्हें एंटीबायोटिक्स के साथ सहायक उपचार दिया जा रहा है ताकि संक्रमण का खतरा न रहे। चिकित्सकों का कहना है कि उम्र को देखते हुए पूरी सावधानी बरती जा रही है और सभी जरूरी टेस्ट किए गए हैं। कांग्रेस नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। पार्टी के कई वरिष्ठ नेता अस्पताल पहुंचकर उनका हाल जान चुके हैं। डॉक्टरों के मुताबिक अगर सेहत में सुधार की यही रफ्तार रही तो उनकी छुट्टी का निर्णय एक–दो दिन में लिया जा सकता है। गांधी के भर्ती होने की खबर के बाद सियासी हलकों में फिक्र का माहौल है और लोग उनकी जल्द शिफा के लिए दुआ कर रहे हैं।

यूपी SIR ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 2026: 2.89 करोड़ नाम हटे

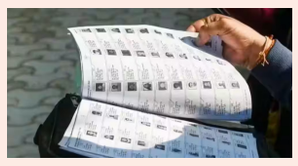

यूपी। उत्तर प्रदेश में पहले चरण की SIR (Special Intensive Revision) प्रक्रिया पूरी होने के बाद ड्राफ्ट मतदाता सूची 2026 जारी कर दी गई है। इस सूची में करीब 2.89 करोड़ वोटरों के नाम हटाए गए हैं, जिससे सियासी हलकों में बहस तेज हो गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक ड्राफ्ट लिस्ट पर आपत्ति और दावे दर्ज कराने के लिए मतदाताओं को 6 फरवरी तक का समय दिया गया है। इसके बाद जांच कर फाइनल वोटर लिस्ट प्रकाशित की जाएगी। इससे पहले आयोग ने 31 दिसंबर तक दो बार रिविजन की मियाद बढ़ाई थी। मतदाता अपना नाम देखने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग की वेबसाइट ceouttarpradesh.nic.in पर जाकर जिला, विधानसभा और बूथ का पीडीएफ डाउनलोड कर सकते हैं। अगर किसी का नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं मिलता है तो घबराने की जरूरत नहीं है। नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म–6 भरना होगा, जिसे ऑनलाइन या क्षेत्र के BLO के पास जमा किया जा सकता है। जन्म तिथि के प्रमाण के लिए मार्कशीट, जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट मान्य होंगे, जबकि पते के लिए आधार, राशन कार्ड या बैंक पासबुक दी जा सकती है। ड्राफ्ट आंकड़ों के अनुसार SIR के बाद प्रदेश में 12.55 करोड़ वैध वोटर दर्ज हैं। राज्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने स्पष्ट किया है कि जो सही दस्तावेज देंगे, उनके नाम सूची में शामिल कर लिए जाएंगे। हालांकि विपक्षी दलों ने SIR के नाम पर गरीबों और अल्पसंख्यकों के वोट काटने के आरोप लगाए हैं, जिसे आयोग ने नकारते हुए कहा कि वैध मतदाताओं को पूरा मौका दिया जाएगा।

कश्मीर में गलन का जोर: श्रीनगर माइनस 4°, गुलमर्ग माइनस 8.6 तक पारा

जम्मू-कश्मीर । जम्मू-कश्मीर में इन दिनों कड़ाके की सर्दी का सख्त दौर जारी है। मंगलवार को राजधानी श्रीनगर का न्यूनतम तापमान गिरकर माइनस 4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे सुबह–शाम गलन काफी बढ़ गई। मशहूर टूरिस्ट मकाम गुलमर्ग में पारा माइनस 8.6 और पहलगाम में माइनस 6.8 डिग्री दर्ज किया गया। जम्मू संभाग में जम्मू शहर का तापमान अपेक्षाकृत बेहतर रहते हुए 5.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि कटरा 4.8, बटोटे 1.7, बनिहाल 1.5 और भद्रवाह माइनस 2.2 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक 20 जनवरी तक किसी बड़े वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के सक्रिय होने के आसार नहीं हैं, इसलिए भारी बर्फबारी की उम्मीद कम बताई जा रही है। घाटी में 21 दिसंबर से शुरू हुआ 40 दिन का सर्द मकाम 'चिल्लई कलां' अपने उरूज पर है, जो 30 जनवरी को खत्म होगा। विशेषज्ञों को फिक्र है कि अगर यह दौर बिना अच्छी बर्फ के गुजर गया तो गर्मियों में नदियों, झीलों और झरनों का जल स्तर घट सकता है, क्योंकि इन्हीं पहाड़ी भंडारों से उन्हें पानी मिलता है। ठंड से बचने के लिए लोग पारंपरिक ऊनी लिबास फेरहन पहन रहे हैं और कपड़ों की कई परतों का सहारा ले रहे हैं। डॉक्टरों ने युवाओं को बहुत ज्यादा ठंड में अत्यधिक शारीरिक गतिविधि से परहेज़ करने की सलाह दी है। बुजुर्गों को सुबह 10 बजे से पहले बाहर न निकलने को कहा गया है।

अमेरिकी अदालत में मादुरो का सनसनीखेज दावा: 'मैं अगवा किया गया राष्ट्रपति और युद्ध बंदी हूं'

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिकी अदालत में वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो, जिन्हें अमेरिका ने पकड़कर नशीले पदार्थों से जुड़े आतंकवाद के आरोपों में मुकदमे के लिए न्यूयॉर्क लाया है, ने एक अमेरिकी संघीय न्यायाधीश के सामने कहा कि वह निर्दोष हैं और खुद को "युद्ध बंदी" मानते हैं।

मादुरो का दावा: 'मैं अगवा राष्ट्रपति हूँ'

वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो, जिन्हें कथित IRCTC जैसे ड्रग्स-आधारित घोटाले और नार्को आतंकवाद के आरोपों में न्यूयॉर्क लाया गया है, ने अमेरिकी संघीय जज के सामने खुद को पूरी तरह निर्दोष बताया। उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी गैरकानूनी है और वह खुद को "युद्ध बंदी" मानते हैं।

डेल्टा फोर्स से न्यूयॉर्क तक

कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार को मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को पहली बार अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान ट्रांसलेटर के जरिए मादुरो ने कहा, "मैं किडनैप किया गया राष्ट्रपति हूँ।" अमेरिकी डेल्टा फोर्स द्वारा सैन्य अड्डे से हिरासत में लेकर हवाई जहाज से न्यूयॉर्क लाने की बात भी सामने आई है।

25 पन्नों की चार्जशीट खारिज

औपचारिक सुनवाई में मादुरो और फ्लोरेस दोनों ने 25 पन्नों की चार्जशीट में लगाए गए तमाम इल्ज़ाम रद्द कर दिए। मादुरो ने कहा, "मैंने कोई अपराध नहीं किया, आज भी अपने मुल्क का राष्ट्रपति हूँ।" सिलिया फ्लोरेस ने भी खुद को वेनेजुएला की प्रथम महिला बताया, हालांकि जज ने उन्हें सिर्फ पहचान तक सीमित रहने को कहा।

इम्युनिटी पर कानूनी जंग

मादुरो के वकील बैरी पोलॉक ने संप्रभु सुरक्षा यानी राष्ट्रपति इम्युनिटी का सवाल उठाया। उनका कहना है कि किसी देश के चुने हुए राष्ट्रपति को इस तरह गिरफ्तार करना अंतरराष्ट्रीय कानून की खिलाफ़वर्ज़ी हो सकती है। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस कार्रवाई को कानून लागू करने की सामान्य प्रक्रिया बताया है।

अदालत में आम कैदी जैसे दिखे

संघीय हिरासत केंद्र में रखे गए मादुरो साधारण कपड़ों में नजर आए। अमेरिकी मार्शलों के घेरे में अदालत पहुंचते समय उन्होंने स्पेनिश में "ब्यूनस डियास" कहकर अभिवादन किया। कभी सख्त हुकूमत चलाने वाले नेता का यह अंदाज चर्चा का विषय बन गया।

फ्लोरेस को चोट, तस्करी के आरोप

सिलिया फ्लोरेस के वकील ने बताया कि हिरासत के वक्त उन्हें चोट लगी और पसलियां टूटने की आशंका है। CBI की चार्जशीट के मुताबिक मादुरो और उनकी पत्नी पर सेना व खुफिया एजेंसियों के जरिए कोकीन तस्करी, नार्को-टेरर साजिश, मनी लॉन्ड्रिंग और खतरनाक हथियार रखने जैसे गंभीर इल्ज़ाम हैं, जिनमें कुछ धाराओं में मौत की सजा तक का प्रावधान बताया गया है।

असम में जिहादी हैं और 10 सालों से इसके सबूत मिल रहे - हिमन्त बिश्व शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या पर असम के मुख्यमंत्री हिमन्त बिश्व शर्मा ने मंगलवार को कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश की स्थिति, विशेष रूप से वहाँ हिंदुओं के साथ जो हो रहा है, वह हमारे लिए चिंता का विषय है। हिंदू लोगों पर हमले दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं, स्थिति चिंताजनक हो गई है। इसका असर असम में भी महसूस किया जा सकता है। हमें सतर्क और जागरूक रहने की जरूरत है। हमें स्थिति पर नजर रखनी होगी और बांग्लादेश के हिंदू समुदाय को समर्थन भी प्रदान करना होगा।' हिमन्त बिश्व शर्मा ने कहा कि असम में जिहादी हैं और पिछले 10 वर्षों में हमें इसका प्रमाण बार-बार मिलता रहा है। उन्होंने कहा, 'हो सकता है कि अभी भी कुछ छिपे हुए हों, जो स्लीपर सेल्स में काम कर रहे हों। इसलिए ये सभी चीजें चिंता का कारण हैं। असम की सुरक्षा हमेशा से चिंता का विषय रही है और रहेगी, जब तक कि पूरी भू-राजनीतिक स्थिति सुधार न जाए।' बांग्लादेश के नरसिंगदी शहर में अज्ञात हमलावरों ने किराना दुकान के मालिक 40 वर्षीय हिंदू व्यक्ति पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

यह घटना सोमवार रात हुई। इससे कुछ ही घंटों पहले बांग्लादेश के जेस्सोर जिले में सोमवार को अज्ञात हमलावरों ने एक हिंदू व्यापारी को सिर में गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी, जो एक समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक भी थे। खबर के अनुसार, पलाश उपजिला के चारसिंदूर बाजार में दुकानदार मणि चक्रवर्ती पर सोमवार रात करीब 11 बजे हमला कर उनकी हत्या कर दी गई। पलाश पुलिस थाना प्रमुख शाहेद अल मामून ने बताया कि मणि शिबपुर उपजिला के साधरचार यूनियन निवासी मदन ठाकुर के बेटे थे।

पीएम मोदी की इथियोपिया यात्रा से भारत–इथियोपिया संबंधों को नई मजबूती

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया अफ्रीका दौरे, विशेष रूप से दिसंबर 2025 में हुई इथियोपिया यात्रा, ने दोनों देशों के ताल्लुकात को एक नई ऊर्जा दी है। विदेशी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरे के बाद व्यापार, निवेश और बुनियादी ढांचा विकास जैसे अहम क्षेत्रों में अगले दशक के लिए एक साझा रोडमैप तैयार करने पर सहमति बनी। यह साझेदारी अब महज़ कारोबार तक सीमित न रहकर स्ट्रेटेजिक और डेवलपमेंट आधारित रिश्ते में बदल रही है। टाइम्स ऑफ ओमान के अनुसार भारत और इथियोपिया के बीच व्यापार संबंध कई दशकों में बहुआयामी साझेदारी की शक्ल ले चुके हैं। मजबूत माल व्यापार के साथ इथियोपियाई उद्योग और अवसंरचना में भारतीय कंपनियों का बड़ा निवेश देखने को मिला है। दक्षिण–दक्षिण सहयोग के उसूलों पर खड़ी यह भागीदारी दोनों मुल्कों को एक-दूसरे की तरक्की में हिस्सेदार बनाती है। भारत अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र की ओर और इथियोपिया हिंद महासागर व एशियाई बाजारों की ओर प्रवेश द्वार के रूप में एक-दूसरे को देख रहे हैं, जिससे रिश्तों को नया आयाम मिला है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों का कुल द्विपक्षीय व्यापार 550.19 मिलियन डॉलर रहा। इसमें भारत का निर्यात 476.81 मिलियन और आयात 73.38 मिलियन डॉलर दर्ज किया गया। भारत के प्रमुख निर्यात मदों में फार्मास्यूटिकल्स, लोहा और इस्पात, मशीनरी, वाहन, इंजीनियरिंग सामान, रसायन, प्लास्टिक और उपभोक्ता उत्पाद शामिल हैं। वहीं इथियोपिया से भारत दालें, तिलहन, मसाले, चमड़ा, अलसी का धागा और कुछ अर्ध–कीमती पत्थर आयात करता है। निवेश के मैदान में भी भारत इथियोपिया के शीर्ष विदेशी निवेशकों में शुमार हो चुका है और भारतीय कंपनियों का स्वीकृत निवेश लगभग 5 अरब डॉलर तक पहुँच गया है। इसके अलावा 1 अरब डॉलर से अधिक की भारतीय ऋण लाइन से चीनी उत्पादन, बिजली ट्रांसमिशन, रेलवे और औद्योगिक अवसंरचना जैसी परियोजनाएं फंड की जा रही हैं। कुल मिलाकर पीएम मोदी की यह यात्रा दोनों देशों के लिए मील का पत्थर साबित हुई है, जिसने आपसी भरोसे, आर्थिक सहयोग और विकास भागीदारी को नई मजबूती अता की है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड पर पहली बार खुल कर बोले CM पुष्कर सिंह धामी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के अंकिता भंडारी हत्याकांड पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहली बार खुलकर बोला है। सीएम धामी ने कहा कि इस बारे में जैसे ही मुझे जानकारी मिली तो हमने एक्शन लिया और जो तीन आरोपी थे उनको गिरफ्तार किया। एक महिला आईपीएस के अधीन एक एसआईटी बनाई गई और उनके नेतृत्व में सभी पहलू पर जांच हुई और सभी व्यक्तियों से बात की। सीएम धामी ने कहा कि पी रेणुका देवी उसको लीड कर रही थीं और अभी सीबीआई में काम कर रही हैं। एसआईटी ने सभी पहलू पर काम किया और लोगों ने कहा कि इसमें कुछ और जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिसको जहां पर जानकारी देनी है दे दे, वो एसआईटी को दे दे या न्यायालय में दे दें। मजबूत पैरवी की गई और जो आरोपी थे उनको आजीवन कारावास की सजा हुई।

हमारा ट्रैक रिकॉर्ड रहा है जो दोषी होगा वो छूट नहीं पायेगा- सीएम धामी

सीएम धामी ने कहा कि अभी हाल में ही एक ऑडियो सामने आया है और उसके लिए भी जांच हो रही है। जिन लोगों ने ऑडियो में बात की है तो उनसे बात करके कुछ सत्यता सामने आ जाये, ये हमारा प्रयास है। हमारा ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कि जो दोषी होगा वो छूट नहीं पायेगा, ये आपको आश्वस्त करते हैं। ऑडियो में नाम ले रहे हैं कि एक व्यक्ति को अध्यक्ष बना देंगे और हो सकता है कि कल किसी का और नाम लें। एक ऑडियो के नाम पर देहरादून में पीसी न करके दिल्ली में पीसी करते हैं।

कोई भी दोषी नहीं छूटेगा, हम हर जांच को तैयार हैं- सीएम धामी

एक ऑडियो के नाम पर बवंडर बनाया जा रहा है, पर सत्यता सामने आने दीजिए, कोई भी दोषी नहीं छूटेगा, हम हर जांच को तैयार हैं। एक ऑडियो में कह रहे हैं कि हत्या हुई है और दूसरे में कह रहे हैं कि उसने आत्महत्या की है तो किस बात को सच माना जाए। अगर आत्महत्या को सच माना जाए तो न्यायालय में जाकर ये एक षड्यंत्र में तो नहीं बदल जाएगा।

अंकिता की माँ बाप से बात करेंगे- सीएम धामी

वहीं एक पत्रकार के सवाल पर सीएम धामी ने कहा कि अगर किसी ने तुम्हारा नाम डाल दिया तो क्या करोगे? सीबीआई जांच पर लास्ट में बताऊँगा, राज्य के अंदर माहौल खराब किया जा रहा है। अंकिता प्रकरण पर अंकिता के माँ-बाप से बात करेंगे और जो वह मदद चाहेंगे, सरकार वह मदद करेगी।

फोन बंद है तो भाग क्यों रहे हैं?- सीएम धामी

इसके साथ ही सीएम धामी ने कहा कि जिन्होंने ये ऑडियो में बातें बोली हैं, वो भागे-भागे फिर रहे हैं, फोन बंद है तो भाग क्यों रहे हैं। सुरेश राठौर के पास प्रशासन गया है कि जो भी बातें और जानकारी हैं, उनके सामने रखें, पर वो बात नहीं कर रहे हैं। जो भी दोषी होगा, मैं आपको कहना चाहता हूं कि वो छूटेगा नहीं।

तेजस्वी को मिलेगी राहत? निचली अदालत के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती, CBI को नोटिस

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को आईआरसीटीसी के कथित घोटाले में आरोप तय किए जाने के आदेश के खिलाफ तेजस्वी यादव की याचिका पर सीबीआई को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने तेजस्वी की याचिका और मुकदमे पर रोक लगाने की मांग पर सीबीआई से जवाब दाखिल करने को कहा है। तेजस्वी के वकीलों ने दलील दी कि निचली अदालत का आदेश कानूनी तौर पर कमजोर है, इसलिए इस पर दोबारा गौर होना चाहिए। अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 14 जनवरी तय की है। इसी दिन तेजस्वी यादव के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की इसी तरह की याचिका पर भी सुनवाई होगी।

मुकदमा चलाने का दिया था आदेश

इससे पहले निचली अदालत ने 13 अक्टूबर 2025 को लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और 11 अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे। इन पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने का आदेश दिया गया था। तेजस्वी यादव और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव ने निचली अदालत के इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। यह मामला भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के दो होटलों का संचालन एक निजी कंपनी को दिए जाने में हुई कथित गड़बड़ियों से जुड़ा है।

इन धाराओं में तय किए गए थे आरोप

अदालत ने लालू यादव के अलावा प्रदीप कुमार गोयल, राकेश सक्सेना, भूपेंद्र कुमार अग्रवाल, राकेश कुमार गोगिया और विनोद कुमार अस्थाना के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) और धारा 13(1)(डी)(दो) व (तीन) के तहत आरोप तय किए थे। अदालत ने बताया था कि धारा 13(2) लोक सेवक द्वारा किए गए आपराधिक कदाचार से जुड़ी है, जबकि धारा 13(1)(डी)(दो) और (तीन) लोक सेवक द्वारा पद का गलत इस्तेमाल कर किसी को फायदा पहुंचाने से संबंधित है। इसके अलावा अदालत ने लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, मेसर्स लारा प्रोजेक्ट्स एलएलपी, विजय कोचर, विनय कोचर, सरला गुप्ता और प्रेम चंद गुप्ता के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 यानी धोखाधड़ी के तहत भी आरोप तय करने के निर्देश दिए थे।

इन धाराओं में एक जैसे आरोप

अदालत ने कहा था कि सभी 14 आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश), धारा 420 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(2) व धारा 13(1)(डी)(दो) और (तीन) के तहत एक जैसे आरोप तय किए जाएंगे। भ्रष्टाचार निवारण कानून के तहत अधिकतम सजा 10 साल तक की हो सकती है, जबकि धोखाधड़ी के मामले में सात साल तक की सजा का प्रावधान है। अब सबकी नजरें हाईकोर्ट पर टिकी हैं कि क्या तेजस्वी यादव को मुकदमे से अंतरिम राहत मिलेगी या कानूनी लड़ाई आगे भी लंबी चलेगी।

राजस्थान विधानसभा सत्र 28 जनवरी से, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी पेश करेंगी बजट

जयपुर। प्रदेश की सबसे बड़ी पंचायत राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र जल्द शुरू होने जा रहा है। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने इसको लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी है। विधानसभा अध्यक्ष की ओर से भी सत्र के दौरान की जाने वाली तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। सत्र के शुरू होने से पहले सरकार की ओर से आम जन से आगामी बजट को लेकर सुझाव मांगे जा रहे हैं। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक 16वीं राजस्थान विधानसभा का पांचवां सत्र 28 जनवरी से शुरू होने जा रहा है। इस सत्र में सरकार वर्ष 2026-2027 का बजट भी पेश करेगी। इस बार का बजट भी उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ही पेश करेंगी। ऑनलाइन मांगे जा रहे सुझाव को लेकर सरकार पूरी तरह सजग नजर आ रही है। सांसद और विधायकों सहित पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से भी आगामी बजट को लेकर लगातार चर्चा की जा रही है। आम जन से जुड़े मुद्दों को बजट में शामिल करने के लिए सरकार व्यापक परामर्श की प्रक्रिया अपना रही है। सरकार का कहना है कि बजट को ज्यादा से ज्यादा जन उपयोगी और विकासोन्मुख बनाया जाएगा।

एक महीने तक चलेगा सत्र

विधानसभा के सत्र के बारे में जानकारी देते हुए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बताया कि यह सत्र करीब एक महीने की अवधि तक चलेगा। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के अभिभाषण के साथ ही सत्र की औपचारिक शुरुआत होगी। इसी सत्र में राज्य सरकार साल 2026-27 के लिए अपना वार्षिक बजट पेश करेगी। सोलहवीं विधानसभा के पांचवें सत्र से पहले विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी बताया कि सत्र आरंभ होने से पूर्व सर्वदलीय बैठक आमंत्रित की जाएगी। इस बैठक में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ सत्र के सुचारु संचालन को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी ताकि कार्यवाही शांतिपूर्ण ढंग से चल सके।

संसदीय कार्य भी होंगे

इस सत्र में आमजन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा, विपक्ष के सवाल जवाब और सरकार के वक्तव्यों के साथ कई तरह के महत्वपूर्ण संसदीय कार्य संपन्न होंगे। प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, विशेष उल्लेख प्रस्ताव और स्थगन प्रस्ताव जैसे औजारों के माध्यम से जन समस्याओं को सदन के पटल पर लाया जाएगा। विपक्ष की ओर से भी कई संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाए जाने की पूरी संभावना है। बजट सत्र के दौरान प्रदेश की विकास योजनाओं, किसानों की आमदनी, युवाओं के रोजगार, महिलाओं के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी कई बड़ी घोषणाएं होने की उम्मीद जताई जा रही है। माना जा रहा है कि यह बजट बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, शहरी विकास और कृषि क्षेत्र पर खास फोकस रखेगा। सरकार की कोशिश है कि जनता से मिले सुझावों को शामिल कर ऐसा बजट बनाया जाए जो प्रदेश के लिए तरक़्क़ी का नया रास्ता खोले और आम आदमी को सीधा राहत पहुंचाए।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

मादुरो पर चाबुक, मुनीर पर मेहरबानी: ट्रम्प की दोहरी कूटनीति

डोनाल्ड ट्रम्प की विदेश नीति हमेशा से आदर्शों से कम और हितों से ज्यादा संचालित रही है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के खिलाफ जिस तर्क का सहारा लेकर अमेरिका ने सैनिक कार्रवाई को जायज़ ठहराया, वही कसौटी पाकिस्तान के हुक्मरानों पर लागू करने से ट्रम्प बचते दिखाई देते हैं। वेनेजुएला दुनिया के कुल तेल भंडार का लगभग अठारह फ़ीसद हिस्सा अपने सीने में समेटे हुए है और रेयर अर्थ मटेरियल की दौलत भी उसके पास कुदरती तौर पर मौजूद है, लेकिन तेल शोधन की पर्याप्त क्षमता न होने के कारण वह बरसों से अमेरिकी कंपनियों पर निर्भर रहा। यही निर्भरता वाशिंगटन की गिद्ध निगाह को और तेज करती रही। ट्रम्प अपने पहले कार्यकाल से ही मादुरो को आंख की किरकिरी मानते थे। मादुरो ने जब चीन से तेल बेचने और रूस से हथियार खरीदने की राह पकड़ी तो इसे अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती के रूप में देखा गया। नतीजा यह हुआ कि जिस मुल्क को कभी संप्रभु राष्ट्र कहा जाता था, वह अचानक अमेरिकी दबाव के आगे दास जैसा बन गया और मादुरो को पकड़कर जेल में डालना "क़ानून की हुकूमत" के नाम पर पेश किया गया। सवाल यह है कि अगर ड्रग कार्टेल या मानवाधिकार उल्लंघन की सज़ा में किसी देश पर हमला किया जा सकता है तो फिर पाकिस्तान को, जिसे सबूतों के साथ यूएन से लेकर खुद अमेरिका ने आतंक की पनाहगाह माना है, अलग पैमाने से क्यों तौला जा रहा है। जनरल आसिम मुनीर आज पाकिस्तान की सियासत के सबसे ताक़तवर चेहरे हैं। चुनी हुई सरकारें उनके इशारों की मोहताज हैं और अवाम की आवाज़ फौजी बूटों तले दबी हुई है। इसके बावजूद ट्रम्प प्रशासन मुनीर को अघोषित तानाशाह के रूप में स्वीकार कर लेता है और उसे ताक़तवर बनाने में मदद को प्रजातांत्रिक मूल्यों की रक्षा बताता है। ट्रम्प के "मागा" का नारा एक साल पहले तक यह था कि अमेरिका अब और युद्ध नहीं करेगा, लेकिन वेनेजुएला पर बमबारी के बाद यह दावा खोखला लगने लगा। दोहरा रवैया अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की बुनियाद हिला देता है। अगर अमेरिका सिर्फ़ उन देशों पर चाबुक चलाएगा जहां से उसे तेल, खनिज या रणनीतिक लाभ मिल सकता है और अपने सहयोगी मुल्कों की ग़लतियों पर पर्दा डालेगा तो फिर रूस के यूक्रेन पर हमले या चीन के ताइवान पर दावे को नैतिक तौर पर कैसे ग़लत कहा जा सकेगा। मादुरो के महल तक अमेरिकी सेना का पहुंच जाना इस बात का इशारा था कि अंदरूनी ग़द्दारी और इनामी रकम का लालच किसी भी सरकार को गिरा सकता है। यही खेल पाकिस्तान में भी खेला जा रहा है, फर्क सिर्फ़ इतना है कि यहां अमेरिका खुद कठपुतली गढ़ रहा है। ट्रम्प समझते हैं कि दक्षिण एशिया में इस्लामाबाद की वफ़ादारी उनके लिए ज़रूरी है, इसलिए मुनीर पर वही तीर नहीं चलाए जाते जो मादुरो पर चले।

ट्रम्प के दौर में अमेरिका की मनमानी, वेनेजुएला पर अवैध हमला और तेल संसाधनों की सियासत

-गिरफ्तारी का बहाना, सम्प्रभुता पर चोट और अंतरराष्ट्रीय क़ानून की अनदेखी

डोनाल्ड ट्रम्प के नेतृत्व में अमेरिका ने वेनेजुएला के साथ जो रवैया अपनाया, उसने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि ताक़तवर मुल्क अक्सर क़ानून, इंसाफ़ और अंतरराष्ट्रीय उसूलों को अपनी मर्ज़ी के मुताबिक मोड़ लेते हैं। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले का कोई ठोस कानूनी आधार नज़र नहीं आता, फिर भी वॉशिंगटन ने इसे "कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सैन्य समर्थन" जैसी कार्रवाई बताकर जायज़ ठहराने की कोशिश की। इस दलील ने दुनिया भर के क़ानूनदानों और सियासी हल्कों में तीखी बहस छेड़ दी है।

गिरफ्तारी के नाम पर सैनिक कार्रवाई

अमेरिका का कहना है कि उसकी कार्रवाई का मक़सद निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर अमेरिकी अदालतों के सामने पेश करना था। मादुरो पर साल 2020 में नार्को–आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में अभियोग लगाया गया था। ट्रम्प प्रशासन का दावा है कि चूँकि मादुरो वैध राष्ट्रपति नहीं हैं, इसलिए उन्हें इम्युनिटी हासिल नहीं होनी चाहिए। मगर सवाल यह है कि किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष की वैधता तय करने का हक़ अमेरिका को किसने दिया? हक़ीक़त यह है कि मादुरो ने बार–बार चुनाव जीते और अपने देश की राष्ट्रीय निर्वाचन परिषद ने उन्हें निर्वाचित घोषित किया। चुनावों में धांधली का इल्ज़ाम लगाने वाले खुद अमेरिका और उसके सहयोगी देश हैं, जिनकी दिलचस्पी वेनेजुएला की अंदरूनी सियासत से ज़्यादा उसके तेल संसाधनों में है। इसलिए गिरफ्तारी के नाम पर की गई यह सैनिक कार्रवाई एक सोची–समझी सियासी चाल लगती है। और भी हैरान करने वाली बात यह है कि मादुरो की पत्नी सेलिया फ्लोरेस को भी गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें संशोधित अभियोग का हिस्सा बना दिया गया, जबकि मूल अभियोग में उनका नाम शामिल नहीं था। यह क़दम कानूनी प्रक्रिया की खुली अवहेलना है। जब इल्ज़ाम पहले से मौजूद नहीं था तो बाद में जोड़कर गिरफ्तारी का औचित्य कैसे बनाया जा सकता है?

अंतरराष्ट्रीय कानून विशेषज्ञों की दलील

अधिकांश अंतरराष्ट्रीय कानून विशेषज्ञ, संयुक्त राष्ट्र संगठन (यूएन) और कई देशों की सरकारों का कहना है कि अमेरिका की यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। उनकी दलीलों की बुनियाद राज्यसत्ता की सम्प्रभुता है। आधुनिक विश्व व्यवस्था इस उसूल पर खड़ी है कि हर देश को अपनी क्षेत्रीय अखंडता और राजनीतिक आज़ादी की हिफ़ाज़त का पूरा अधिकार है। किसी दूसरे मुल्क को यह इजाज़त नहीं कि वह अपने घरेलू कानूनों के सहारे किसी संप्रभु देश पर हमला कर दे। यूएन चार्टर का अनुच्छेद 2(4) साफ़ तौर पर कहता है कि आत्मरक्षा के औचित्य या यूएन की स्पष्ट अनुमति के बिना किसी अन्य राज्य की क्षेत्रीय अखंडता या राजनीतिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बल प्रयोग करना मना है। अमेरिका ने न तो आत्मरक्षा का कोई वास्तविक ख़तरा दिखाया और न ही यूएन से अनुमति ली। ऐसे में यह हमला यूरन चार्टर की रूह के ख़िलाफ़ है।

ट्रम्प प्रशासन इसे "कानून प्रवर्तन कार्रवाई" बताता है, मगर अंतरराष्ट्रीय क़ानून में ऐसी कोई मिसाल नहीं कि किसी मुल्क की पुलिस जैसी कार्रवाई के लिए पूरी फौज उतार दी जाए। यह तर्क उतना ही कमज़ोर है जितना इराक़ और लीबिया पर हमलों के वक़्त दिए गए बहाने थे।

तेल का लालच : असली पसमंजर

वेनेजुएला दुनिया के प्रमाणित तेल भंडार का लगभग 18 फ़ीसद से ज़्यादा हिस्सा रखता है। मगर उसके पास तेल शोधन की पर्याप्त क्षमता नहीं है। यही कमज़ोरी अमेरिका के लिए मौक़ा बन गई। ट्रम्प ने खुले संकेत दिए कि वेनेजुएला के तेल उद्योग को "अपने नियंत्रण" में लेना अमेरिकी रणनीति का हिस्सा हो सकता है। यह बयान किसी भी क़ानूनी दायरे में नहीं आता; यह सीधे–सीधे एक आर्थिक ऑकुपेशन की धमकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति यह भी कह चुके हैं कि वेनेजुएला में ऑकुपेशन–फोर्स और तेल विशेषज्ञ भेजे जा सकते हैं, ताकि तेल उत्पादन और वितरण अमेरिकी कंपनियों के हवाले कर दिया जाए। किसी देश पर क़ब्ज़ा करके उसके संसाधन को वैश्विक बाजार में बेचने के लिए न तो अमेरिकी कानून और न ही अंतरराष्ट्रीय कानून कोई इजाज़त देता है। फिर भी ट्रम्प के बयानों से लगता है कि व्हाइट हाउस ने क़ानून से ऊपर उठकर "तेल का खेल" खेलने का मन बना लिया है। हालाँकि ट्रम्प ने दावा किया कि उन्होंने वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज को अमेरिकी निर्देशों का पालन करने के लिए मना लिया है, मगर इसके बाद रोड्रिगेज ने अमेरिकी कार्रवाइयों की निंदा कर दी। इससे यह साफ़ हो गया कि अमेरिका वेनेजुएला की अंदरूनी क़यादत को तोड़कर अपनी कठपुतली सरकार बनाना चाहता है।

ड्रग तस्करी के आरोपों की हक़ीक़त

अमेरिका ने मादुरो पर नार्को–आतंकवाद का जो आरोप लगाया, उसकी वैधता भी संदिग्ध है। खुद अमेरिका की आधिकारिक नेशनल ड्रग थ्रेट असेसमेंट रिपोर्ट 2025 में मादुरो के बारे में बहुत कम या लगभग कुछ भी नहीं कहा गया था। इसके बरअक्स मैक्सिको, कोलंबिया और कुछ अन्य लैटिन अमेरिकी देशों को मादक पदार्थों के प्रमुख स्रोत के रूप में चिह्नित किया गया। फिर वेनेजुएला अचानक मुख्य निशाना कैसे बन गया? इससे यह शक और गहरा होता है कि ड्रग तस्करी का बहाना केवल अवैध अमेरिकी कार्रवाइयों को कानूनी रंग देने के लिए गढ़ा गया है। अगर अमेरिका को वाक़ई ड्रग्स के ख़िलाफ़ जंग लड़नी होती तो वह अपनी सरहद से लगे मुल्कों पर ध्यान देता, न कि कैरेबियाई समुद्र पार एक संप्रभु देश पर बम बरसाता।

राष्ट्राध्यक्षों की इम्युनिटी का मसला

अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रचलित उसूलों के तहत सम्प्रभु देशों के राष्ट्राध्यक्षों को विदेशी अदालतों में इम्युनिटी प्राप्त होती है। यह उसूल इसलिए बनाया गया कि बड़ी ताक़तें छोटे मुल्कों की चुनी हुई क़यादत को कठघरे में खड़ा न कर सकें। स्वयं अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 1812 में इस विषय पर एक ऐतिहासिक निर्णय देकर इसे मान्यता दी थी। मगर ट्रम्प प्रशासन ने इस उसूल को नज़रअंदाज़ कर दिया। जब कोई मुल्क अपने संविधान और चुनावी प्रक्रिया से नेता चुनता है तो उसकी वैधता को चुनौती देना दरअसल उस मुल्क की अवाम की तौहीन है। अमेरिका का यह कहना कि "मादुरो वैध राष्ट्रपति नहीं" हैं, एक खतरनाक मिसाल कायम करता है। कल को चीन, रूस या कोई और ताक़त इसी तर्क के सहारे किसी अमेरिकी नेता को अवैध बता सकती है।

यूएन और विश्व बिरादरी की बेबसी

संयुक्त राष्ट्र संगठन ने हमले के बाद चिंता ज़ाहिर की, मगर वह ठोस कार्रवाई नहीं कर पाया। यह यूएन की संरचनात्मक कमज़ोरी है, जहाँ सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य वीटो के सहारे हर फ़ैसला रोक देते हैं। अमेरिका भी उन्हीं सदस्यों में से है, इसलिए उसके ख़िलाफ़ प्रस्ताव लाना मुश्किल हो जाता है। यही बेबसी अंतरराष्ट्रीय कानून को खोखला बनाती है। कई देशों ने अमेरिका की निंदा की, लैटिन अमेरिका के सियासी रहनुमाओं ने इसे नव–उपनिवेशवाद कहा। मगर वॉशिंगटन पर इन बातों का असर कम ही पड़ता है, क्योंकि डॉलर और हथियारों की ताक़त उसके साथ खड़ी रहती है।

भारत और पाकिस्तान: बदलती नई हकीकत, प्रतिक्रिया के नए उसूल और परमाणु साये में संतुलित रणनीति

-ऑपरेशन सिंदूर के बाद रिश्तों में अनिश्चित मगर नया दौर

भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में दशकों से जो उतार-चढ़ाव, बेयक़ीनी और तनाष चला आ रहा है, वह आज भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। फिर भी एक बात साफ नज़र आने लगी है—दोनों मुल्क अब नई हकीकत को किसी न किसी शक्ल में स्वीकार करने लगे हैं। ऑपरेशन "सिंदूर" के बाद से हालात ऐसे रहे हैं कि न तो कोई बड़ी जंग हुई, न कूटनीतिक ताल्लुक़ात में नाटकीय विच्छेद, और न ही लंबा सैन्य तनाव। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सब कुछ पहले जैसा है। असल में पर्दे के पीछे बहुत कुछ बदल चुका है—उसूल, सोच और प्रतिक्रिया का तरीका। ऑपरेशन सिंदूर के बाद का वक़्त एक अहम मोड़ साबित हुआ। पहले जो कायदे सिर्फ संकट के दिनों में लागू होते थे, अब वे रोज़मर्रा की स्ट्रैटेजी का हिस्सा बन रहे हैं। दोनों देश इस बदलाव के मुताबिक खुद को ढाल भी रहे हैं। यह दौर ठंडी शांति का है—जहां गोली कम चलती है मगर दिमागी जंग तेज रहती है। भरोसा न सही, पर एक तरह का अनकहा संतुलन जरूर बना हुआ है। भारत के सामने वही पुराना सवाल आज भी कायम है—अगर पाकिस्तान प्रायोजित हिंसा अगली बार हद से बाहर हुई तो दिल्ली कैसी प्रतिक्रिया देगी? क्या जवाब सिर्फ बयानबाज़ी तक रहेगा या ठोस कदम भी उठाए जाएंगे? हाल में दिल्ली में हुए "सूर्या कार ब्लास्ट" ने इन चिंताओं को और हवा दे दी है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि यह साज़िश कहीं ज्यादा वसीअ और खतरनाक शक्ल ले सकती थी, मगर उसे बीच में ही रोक लिया गया। लेकिन अगली बार ऐसा हो—इसकी कोई गारंटी नहीं। इसलिए इस सवाल का जवाब घोषणाओं में कम और तजुर्बों में ज्यादा छिपा है। जो कुछ ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा गया, वही असली पैमाना है। यह ऑपरेशन सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं था, बल्कि भारत के बदले हुए माइंडसेट का इज़हार भी था। इससे यह संदेश गया कि भारत अब आतंकवाद के जवाब में महज़ संयम और सब्र पर निर्भर नहीं रहेगा। जरूरत पड़ने पर सीमित मगर असरदार बल इस्तेमाल करने को तैयार है—वह भी परमाणु सीमा के भीतर रहते हुए। ऑपरेशन सिंदूर का सबसे बड़ा सबक यही था कि राजनीतिक मंजूरी जल्दी मिल सकती है और लक्ष्य सीमित रखे जा सकते हैं। यह "नपा-तुला बल" का फ़लसफ़ा था। भारत ने दिखाया कि वह परमाणु दबाव के बावजूद अपने पारंपरिक विकल्प पूरी तरह खो नहीं बैठा है। यह एक तरह का प्रतिरोध भी था और कूटनीतिक पैग़ाम भी—कि नया भारत फैसले लेने में हिचकिचाएगा नहीं। मगर उतना ही महत्वपूर्ण यह समझना भी है कि इस ऑपरेशन ने कौन-से संकेत नहीं दिए। भारत ने खुद को छोटे, तयशुदा और प्रतीकात्मक ऑपरेशन के फ्रेम में बांधने से इनकार किया। कहीं यह नहीं कहा गया कि भविष्य की सैन्य कार्रवाई सिर्फ दिखावे की या निश्चित अवधि वाली होगी। यह अस्पष्टता जानबूझकर रखी गई थी—क्योंकि जंग में धुंध भी एक हथियार होती है। अगर दुश्मन पहले ही जान ले कि जवाब कब, कैसे और कितनी देर में आएगा तो वह उसे अपने आकलन में शामिल कर लेता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इन सवालों को अनुत्तरित छोड़कर भारत ने यही रणनीतिक धुंध कायम रखी थी। यह "अनिश्चितता का उसूल" आने वाले वक्त में भी उतना ही कारगर रह सकता है। उधर जब भारत अपनी प्रतिक्रिया की आज़ादी का रुख साफ कर रहा था, उसी वक़्त पाकिस्तान के भीतर भी गहरे बदलाव चल रहे थे। पाकिस्तानी संविधान में प्रस्तावित 27वां संशोधन महज़ कानूनी सुधार नहीं, बल्कि सत्ता के केंद्रीकरण की खुली अलामत है। सेना प्रमुख को "चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस" बनाना, सामूहिक सैन्य ढांचे को खत्म करना और परमाणु कमान को पूरी तरह फौजी कंट्रोल में लाना यह बताता है कि सारा नियंत्रण अब ऊपर सिमट रहा है। यह नया निज़ाम पाकिस्तान की अंदरूनी सियासत और फौज के रिश्ते दोनों को बदल देगा। परमाणु कमान का मुकम्मल सैन्य नियंत्रण भारत के लिए खास चिंता का विषय है। इससे फैसले तेज हो सकते हैं मगर जोखिम भी बढ़ता है। सत्ता का शीर्ष पर जमा होना हमेशा स्थिरता नहीं लाता—कभी-कभी यह मनमानी का रास्ता भी खोलता है। भारत के लिए चैलेंज यह है कि इन पाकिस्तानी संकेतों का जवाब कैसे दिया जाए—ताकि तनाव भी ना बढ़े और यह भी ना लगे कि दिल्ली खामोश बैठी है। परमाणु धमकियों के कारण अगर पारंपरिक और मिश्रित प्रतिक्रियाएं भी रोक दी जाएं तो यह पाकिस्तान की प्रॉक्सी युद्ध की रणनीति को और प्रभावी बनाता है। इसलिए प्रतिरोध का मतलब है कि भारत दिखाए—परमाणु हमले की धमकियां उसके विकल्पों पर पूर्ण विराम नहीं लगातीं। इसका मतलब यह नहीं कि अनावश्यक सैन्य तनाव खड़ा किया जाए। असल जरूरत कार्रवाई की स्वतंत्रता बनाए रखने की है। कूटनीति और बल का संतुलन ही असली राह है। भारत को ऐसा रास्ता चुनना होगा जहां सख्ती भी हो, समझदारी भी और दूरअंदेशी भी। कश्मीर और जम्मू इस पूरे बदलाव का मरकज़ बने हुए हैं। हाल के वर्षों में घाटी की तुलना में जम्मू—खासकर स्नेरी, पुंछ और कठुआ इलाके—ज्यादा हिंसा के गवाह रहे हैं। यह शिफ्ट बहुत मायने रखती है। पाकिस्तान का अंतरराष्ट्रीय नैरेटिव जम्मू के बजाय कश्मीर के इर्द-गिर्द घूमता है। घाटी में लंबी शांति उस मुद्दे पर पाकिस्तान की प्रासंगिकता घटाती है जिसे वह अपनी पहचान का मूल मानता है। हाल का पहलगाम हमला इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। यह किसी सतत अभियान की शुरुआत से ज्यादा ऐसे वक़्त में कश्मीर में फिर से मौजूदगी दिखाने की कोशिश लगता है, जब घाटी अमन की तरफ लौट रही थी। पाकिस्तान के लिए यह "वजूद का सवाल" बन चुका है कि कश्मीर मुद्दा ज़िंदा रहे। भारत के लिए इस संदेश को पढ़ना जरूरी है। अगर हिंसा का भूगोल बदल रहा है तो जवाब की सोच भी बदलनी होगी। जम्मू में बढ़ती घटनाएं यह दिखाती हैं कि पाकिस्तान नए तरीकों से दबाव बनाना चाहता है—ताकि घाटी की शांति टूटे और अंतरराष्ट्रीय मंच पर पुराना राग फिर छेड़ा जा सके। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने जो रास्ता अपनाया, वह अब भी एक रेफरेंस फ्रेम है। लेकिन भविष्य की स्ट्रैटेजी इससे आगे की होनी चाहिए। सिर्फ एक ऑपरेशन से पूरी नीति तय नहीं होती।

सरकारी स्कूलों में एआई चैटबॉट: शिक्षकों को मदद, मगर बच्चों की सोच कमजोर होने की आशंका

-यूएई–अमेरिका की तर्ज पर भारत में एआई टूल्स से तालीम का नया प्रयोग

दुनिया इस वक्त आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहाँ हर क्षेत्र में इसका दखल बढ़ता जा रहा है। तालीम का मैदान भी इससे अलग नहीं रहा। यूएई, अमेरिका, पेरू समेत कई देशों के स्कूलों और विश्वविद्यालयों में एआई टूल्स के जरिए पढ़ाई शुरू हो चुकी है। अब भारत में भी सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को चैटजीपीटी जैसे चैटबॉट मुहैया कराने की तैयारी है। ओपनएआई और दूसरी टेक कंपनियां एआई ट्रेनिंग प्रोग्राम चला रही हैं और सरकारें इन अभियानों से मुतास्सिर होकर नई पॉलिसियां बना रही हैं। सवाल यह है कि क्या यह टेक्नोलॉजी सचमुच सीखने की क्वालिटी बेहतर करेगी या बच्चों की फिक्र और समझ को कमजोर कर देगी?

वैश्विक रुझान और भारत की तैयारी

अमेरिका की बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां लंबे अरसे से क्लासरूम में लैपटॉप, टैबलेट और लर्निंग एप्स लाने के लिए मुहिम चलाती रही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और ओपनएआई जैसी कंपनियों का कहना है कि एआई चैटबॉट्स से शिक्षकों का कीमती समय बचेगा। वे लेसन प्लान बना सकेंगे, सवालों के जवाब जल्दी तैयार कर पाएंगे और बच्चों को पर्सनलाइज्ड गाइडेंस मिल सकेगी। यूएई और अमेरिका में टीचरों के लिए खास चैटबॉट विकसित किए जा रहे हैं, जो लोकल सिलेबस के मुताबिक काम करेंगे। इसी तर्ज पर भारत में भी सरकारी स्कूलों के टीचरों को चैटजीपीटी देने की बात हो रही है, ताकि वे नई एआई से चलने वाली अर्थव्यवस्था के लिए बच्चों को तैयार कर सकें। लेकिन यह तस्वीर का सिर्फ एक रुख है। दूसरा पहलू यह है कि एआई टूल्स के तेजी से फैलाव से कई खतरे भी पैदा हो रहे हैं। डिजिटल दुनिया के माहिर लोग चेतावनी दे रहे हैं कि इन टूल्स पर जरूरत से ज्यादा एतिमाद बच्चों की काबिलियत को सुस्त कर सकता है। मूल्यांकन, विश्लेषण और खुद फैसला लेने की सलाहियत में कमी आने की आशंका जताई जा रही है।

स्टडी क्या कहती है?

हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट और कार्नेगी मेलोन यूनिवर्सिटी की एक स्टडी में पाया गया कि पॉपुलर एआई चैटबॉट्स इस्तेमाल करने वाले बच्चों की आलोचनात्मक सोच प्रभावित हो सकती है। जब जवाब रेडीमेड मिलने लगें तो दिमाग मेहनत करना छोड़ देता है। बच्चे सवाल पूछने, तर्क गढ़ने और जानकारी की जांच-पड़ताल करने के बजाय बॉट के जवाब को ही आखिरी सच मान लेते हैं। यह रवैया आगे चलकर समाज के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। पेरू में 'हर बच्चे को एक लैपटॉप' प्रोग्राम पर प्रोफेसरों और अर्थशास्त्रियों ने सैकड़ों स्कूलों में रिसर्च की। नतीजे चौंकाने वाले थे। कंप्यूटर की पहुंच बढ़ने के बावजूद बच्चों की चीजों को समझने, संज्ञान की क्षमता और रिजल्ट में कोई खास सुधार नहीं हुआ। यूनिसेफ के डिजिटल पॉलिसी विशेषज्ञ स्टीवन वोसलू ने भी लिखा कि यह प्रोग्राम बेकार खर्च और सीखने में गिरावट का सबब बना। यह तजुर्बा बताता है कि सिर्फ मशीनें बांट देने से तालीम बेहतर नहीं होती, बल्कि सही इस्तेमाल और निगरानी जरूरी है।

एआई के हक में दलीलें

एआई की हिमायत करने वाले लोगों का कहना है कि चैटबॉट्स सीखने के लिए नेमत हो सकते हैं। शिक्षक अगर इन्हें सहायक टूल की तरह इस्तेमाल करें तो वे बच्चों पर ज्यादा ध्यान दे पाएंगे। मसलन—समय की बचत: होमवर्क जांचना, क्विज बनाना, रिपोर्ट तैयार करना एआई से आसान हो जाएगा। पर्सनलाइज्ड पढ़ाई: हर बच्चा अपनी रफ्तार से सीख सकेगा। नई स्किल्स: छात्र डिजिटल और एआई फ्रेंडली जॉब्स के लिए तैयार होंगे। रिसोर्स की कमी में मदद: जिन स्कूलों में विषय विशेषज्ञ नहीं हैं, वहाँ चैटबॉट बेसिक गाइड बन सकता है। ग्रामीण और दूर-दराज इलाकों के स्कूलों में कई बार टीचर पर जरूरत से ज्यादा बोझ होता है। क्लास में 60–70 बच्चे, प्रशासनिक काम, ऑनलाइन रिटर्न, मीटिंग—इन सबके बीच पढ़ाई प्रभावित होती है। ऐसे में एआई अगर हाथ बंटाए तो हालात कुछ बेहतर हो सकते हैं।

लेकिन खतरे भी कम नहीं

इसके बावजूद कई बाल अधिकार और स्वास्थ्य समूहों की फिक्र वाजिब है। एआई टूल्स के नुकसान कुछ इस तरह सामने आ सकते हैं— गलत जानकारी: बॉट्स कभी-कभी गुमराह करने वाले जवाब दे देते हैं। चीटिंग का बढ़ाव: बच्चे असाइनमेंट एआई से लिखकर जमा कर रहे हैं। भाषा और लेखन कमजोर: खुद लिखने की आदत घट रही है। सोशल विकास पर असर: स्क्रीन से रिश्ता बढ़ेगा, इंसानों से कम। मूल्यांकन क्षमता में कमी: तर्क, तुलना, तहक़ीक़ का जज्बा मंद पड़ेगा। स्कूल सिर्फ जानकारी देने की जगह नहीं, बल्कि किरदार, अखलाक और समाजी समझ बनाने की नर्सरी होते हैं। अगर बच्चा हर बात के लिए चैटबॉट का मोहताज हो गया तो उसकी शख्सियत अधूरी रह जाएगी।

शिक्षक की भूमिका सबसे अहम

तालीम की असल धुरी टीचर ही रहता है। मशीन उसका बदल नहीं हो सकती। एआई ज्यादा से ज्यादा एक असिस्टेंट बन सकता है। यह फैसला शिक्षक को करना होगा कि कब बॉट से मदद लेनी है और कब बच्चे को खुद सोचने के लिए उकसाना है। अच्छा टीचर सवाल पैदा करता है, जवाब नहीं थोपता। एआई का इस्तेमाल भी इसी उसूल पर होना चाहिए। अमेरिका और यूएई में कई स्कूलों ने 'ह्मन इन द लूप' मॉडल अपनाया है, जहाँ हर एआई गतिविधि की निगरानी इंसानी शिक्षक करता है। भारत में भी यही तरीका मुफीद होगा। लेसन प्लान एआई बनाए, मगर उसे फाइनल टीचर करे। मूल्यांकन में बॉट सुझाव दे, पर नंबर शिक्षक तय करे।

पॉलिसी और गाइडलाइन की जरूरत

यूनिसेफ जैसी एजेंसियां साफ कह रही हैं कि बिना ठोस दिशा-निर्देश एआई को क्लासरूम में उतारना जोखिम भरा है। भारत में अभी सरकारी स्कूलों के लिए ऐसी मुकम्मल पॉलिसी मौजूद नहीं। जरूरत इस बात की है कि—बच्चों की उम्र के मुताबिक एआई एक्सेस तय हो। डेटा प्राइवेसी के सख्त कानून हों। चीटिंग रोकने के मैकेनिज्म बनें। टीचरों को अलग से ट्रेनिंग दी जाए। अभिभावकों की भागीदारी बढ़े। सिलेबस में एआई लिटरेसी शामिल हो, मगर क्रिटिकल थिंकिंग, किताब से रिश्ता और सामूहिक गतिविधियां भी उतनी ही मजबूत रखी जाएं।

भारत के हालात अलग हैं

हमारे यहाँ सरकारी स्कूलों की हकीकत अमेरिका से मुख्तलिफ है। इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी, इंटरनेट की अस्थिरता, भाषा की विविधता—इन सबको देखे बिना एआई लागू करना ठीक नहीं। अगर चैटबॉट सिर्फ अंग्रेज़ी में होगा तो हिन्दी, उर्दू, तमिल, बांग्ला माध्यम के टीचर मुश्किल में पड़ेंगे।

प्रदेश में स्टार्टअप के लिए बेहतर ईकोसिस्टम विकसित कर रही हमारी सरकार - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वर्तमान सदी में मानवता के लिए एक नया कोड-एक नई भाषा लिख रहा है। उन्होंने एआई को प्रदेश की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण घटक बताते हुए कहा कि इसके विवेकपूर्ण उपयोग से सरकार ई-गवर्नेंस और डिजिटल समावेशन को और अधिक व्यापक एवं जन केन्द्रित बना रही है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित राजस्थान रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि सहित अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन लाकर लोगों के जीवन को बेहतर बना रहा है और विकसित भारत एवं विकसित राजस्थान के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने उद्यमियों, निवेशकों और युवाओं को एआई के उभरते क्षेत्र में सहभागी बनने के लिए राजस्थान में आमंत्रित भी किया। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश एआई के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री का मानना है कि एआई केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि 21वीं सदी में राष्ट्रीय शक्ति और समृद्धि का आधार है। एआई देश की नीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और सामाजिक संरचना को बेहतर स्वरूप दे रहा है।

एआई-एमएल पॉलिसी से नवाचार को बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में तकनीक और स्टार्टअप के सशक्त इकोसिस्टम के निर्माण के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। राज्य सरकार द्वारा लाई गई एआई-एमएल पॉलिसी से एआई सिस्टम अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और निजता-संरक्षण के प्रति जवाबदेह बनेंगे। इस नीति से सार्वजनिक सेवा वितरण अधिक त्वरित, नागरिक-केंद्रित और पारदर्शी होगा तथा प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि एआई से जुड़े साइबर अपराधों की रिपोर्टिंग और समाधान

की प्रक्रिया सरल की जाएगी, प्रदेश में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित होगा तथा स्कूलों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक और कॉलेजों में एआई शिक्षा को प्रोत्साहन दिया जाएगा। उद्योग, स्टार्टअप और रिसर्च संस्थानों को भी विशेष प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे।

डिजिफेस्ट स्टार्टअप्स के लिए ग्लोबल गेटवे

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिफेस्ट ने स्टार्टअप्स को निवेशकों से, विद्यार्थियों को अवसरों से और उद्योग को सरकार से जोड़ डिजिटल राजस्थान का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन स्टार्टअप्स के लिए ग्लोबल गेटवे साबित हो रहे हैं, जहां फंडिंग के साथ-साथ विश्वस्तरीय मेंटर्स का मार्गदर्शन भी मिल रहा है। एआई-एमएल, फिनटेक, एग्रीटेक, एआर-वीआर और प्रॉपटेक जैसे क्षेत्रों में विचार-विमर्श से नए अवसरों के द्वार खुल रहे हैं।

राजस्थान में हर माह 81 हजार करोड़ रुपये के यूपीआई लेनदेन

शर्मा ने कहा कि राजस्थान में 6 करोड़ 50 लाख से अधिक मोबाइल उपयोगकर्ता हैं और हर माह औसतन 81 हजार करोड़ रुपये से अधिक के यूपीआई लेनदेन हो रहे हैं। ऑनलाइन सेवाओं के बढ़ते उपयोग को देखते हुए साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए ऑपरेशन एंटी वायरस के माध्यम से साइबर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी, डेटा सेंटर नीति 2025, अटल इनोवेशन स्टूडियो, स्टार्टअप लॉन्चपैड, लीप प्रोग्राम और सेंटर फॉर एडवांस्ड स्किलिंग जैसी पहलों से प्रदेश में रोजगार और नवाचार को बढ़ावा मिल रहा है। एआई के विस्तार के साथ-साथ भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान हुए निवेश समझौतों में से बड़ी संख्या में परियोजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। निवेश अनुकूल वातावरण, नई नीतियों, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और राजनिवेश पोर्टल के कारण राजस्थान निवेशकों के लिए शीर्ष राज्यों में शामिल हुआ है। प्रवासी राजस्थानियों के लिए बनाई गई नीति और विभाग से उन्हें प्रदेश के विकास में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिल रहा है।

क्लिक्स से केयर तक: भरोसे पर टिके कंज्यूमर प्लेटफॉर्म्स का भविष्य

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट टाई ग्लोबल समिट 2026 के तीसरे दिन मंगलवार को मुग्धा हॉल में ट्रूवर्थ वेलनेस के फाउंडर राजेश मुंदड़ा के साथ पैनल चर्चा में उद्यमियों तथा विशेषज्ञों ने उपभोक्ता प्लेटफॉर्म्स के भविष्य पर प्रकाश डाला। पैनल में मुख्य वक्ता के रूप में शिपरॉकेट के क्रॉस बॉर्डर कॉमर्स के सीईओ अक्षय गुलाटी तथा टाटा 1एमजी के संस्थापक प्रशांत टंडन शामिल हुए। चर्चा में विशेषज्ञों ने कंज्यूमर प्लेटफॉर्म्स का भविष्य डिजिटल 'क्लिक्स' से आगे बढ़कर वास्तविक 'केयर' के रूप में परिभाषित किया। विशेषज्ञों ने कहा कि प्लेटफॉर्म्स को मात्र 'पैसिव टेक मिडिएटर' की भूमिका न निभाते हुए ग्राहकों की संतुष्टि की पूर्ण जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक विश्वास अर्जित करने के लिए कंज्यूमर-फर्स्ट तथा सेलर-फर्स्ट कल्चर बनाना जरूरी है। इसमें जवाबदेही, सम्मान और निरंतर सेवा का भी समावेश होना चाहिए। विशेषज्ञों ने कहा कि जहां 'क्लिक्स'

एंगेजमेंट बढ़ाते हैं, वहीं 'केयर' कंज्यूमर रिटेंशन तथा सस्ते विकल्पों के बावजूद पेमेंट करने की इच्छा को प्रेरित करते हैं। जैसे-जैसे प्लेटफॉर्म्स का विस्तार होता है, इस 'केयर' को अपनी मजबूत स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसेस तथा सिस्टम्स के माध्यम से और आगे बढ़ाया जा सकता है। पैनलिस्ट्स का मानना था कि लगातार सफलता का पैमाना अल्पकालिक वृद्धि नहीं बल्कि कंज्यूमर का विश्वास, रिटेंशन तथा वास्तविक दुनिया में सकारात्मक प्रभाव है।

कुरैशी समाज में 'नो दहेज़, नो डिनर, नो गार्डन' से आसान हुआ निकाह

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के एमडी रोड स्थित जमात खाने से शुरू हुई नो दहेज, नो डिनर, नो गार्डन मुहिम अब केवल एक पहल नहीं, बल्कि राजस्थान भर में सामाजिक बदलाव की मजबूत आवाज बनती जा रही है। कुरैशी समाज की इस सराहनीय मुहिम का असर आज प्रदेश के कई शहरों में साफ़ तौर पर देखा जा रहा है। इस आंदोलन को नई दिशा देने में इस्लाहे मआशरा कमेटी अहम भूमिका निभा रही है, जो समाज में फिजूलखर्ची और दहेज जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ लगातार सकारात्मक कदम उठा रही है।

वहीं आज सादगी से सम्पन्न हुआ निकाह:-

इसी कड़ी में आज एमडी रोड स्थित जमात खाने में दूल्हा सोहेल कुरैशी और दुल्हन अंजुम कुरैशी का निकाह पूरी सादगी और शरीयत के मुताबिक अदा किया गया। न कोई दिखावा, न कोई फिजूलखर्च—मेहमानों के लिए सिर्फ खजूर पेश की गई, जो इस मुहिम की असली पहचान बन चुकी है। पिछले वर्ष जयपुर से हुई थी मुहिम की शुरुआत, इस प्रेरणादायक मुहिम का आग़ाज़ पिछले वर्ष जयपुर के झोटवाड़ा निवासी वरिष्ठ समाजसेवी एवं बिजनेसमैन छुट्टन कुरैशी द्वारा किया गया था ।जो आज सामाजिक हित में प्रेरणास्रोत बना गया है।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

-1 लाख 21 हजार 500 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 16 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जय क्लब, एसएमएस, ट्रोमा, अजमेरी गेट के पास, पाश्र्वनाथ कॉलोनी अजमेर रोड़ चित्रकुट के पास सेक्टर-1 व 2 के मध्य एवं कूकरखेड़ा मण्डी से टोडी मोड़ सीकर रोड, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, मीना मार्केट, घाटगेट, गोविंद मार्ग, पिंक स्क्वायर मॉल क्षेत्र, ब्रह्मपुरी कॉलोनी, ट्रांसपोर्ट नगर, रोटरी सर्किल सर्विस लाइन, दिल्ली रोड, जवाहर नगर, आदर्श नगर, आगरा रोड, पुरानी चुंगी आगरा रोड, हाई कोर्ट, सहदेव मार्ग, सांगानेरी रोड, रेलवे सर्किल, भगवान दास रोड, सी-स्कीम, पंचबत्ती चैराहा सहित त्रिपोलिया बाजार तक आदि स्थानों से अस्थाई

अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 1 लाख 21 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 16 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में जय क्लब, एसएमएस, ट्रोमा, अजमेरी गेट के पास, पाश्र्वनाथ कॉलोनी अजमेर रोड़ चित्रकुट के पास सेक्टर-1 व 2 के मध्य एवं कूकरखेड़ा मण्डी से टोडी मोड़ सीकर रोड, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, मीना मार्केट, घाटगेट, गोविंद मार्ग, पिंक स्क्वायर मॉल क्षेत्र, ब्रह्मपुरी कॉलोनी, ट्रांसपोर्ट नगर, रोटरी सर्किल सर्विस लाइन, दिल्ली रोड, जवाहर नगर, आदर्श नगर, आगरा रोड, पुरानी चुंगी आगरा रोड, हाई कोर्ट, सहदेव मार्ग, सांगानेरी रोड, रेलवे सर्किल, भगवान दास रोड, सी-स्कीम, पंचबत्ती चैराहा सहित त्रिपोलिया बाजार तक आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 16 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 1 लाख 21 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

नगर निगम जयपुर द्वारा सफाई मित्रों के लिए आयोजित किया गया नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वच्छ सर्वेक्षण-2025-26 के तहत मुख्यालय पर नगर निगम जयपुर द्वारा मंगलवार को एक दिवसीय सफाई मित्रों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, ब्लड प्रेशर, शुगर इत्यादि की जांचे की जाकर दवांईयां उपलब्ध करवाई गई।

पुलिस थाना गलतागेट की वाहन चोरों पर सख्त कार्यवाही

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर उत्तर में पुलिस थाना गलतागेट ने वाहन चोरों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करते हुए मोटर साइकिल चोरी के एक शातिर आरोपी फरीद नकवी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने मुल्जिम के कब्जे से चोरी की मोटर साइकिल भी बरामद कर ली है। इस गिरफ्तारी से दिल्ली बाईपास और हीरापुरा-गलतागेट क्षेत्र में वाहन चोरी की बढ़ती वारदातों पर रोक लगने की उम्मीद है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह चोर बेहद चालाक तरीके से वारदात करता था और पहले भी कई घटनाओं में शामिल होने की आशंका है। दिनांक 02 जनवरी 2026 को परिवादी निहाल चन्द पुत्र रामसहाय, निवासी बाबु का टीवा हरिजन बस्ती रामगंज बाजार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट के मुताबिक उनका बेटा कुलदीप राणावत 30 दिसंबर 2025 की शाम लगभग 7:20 बजे मोटर साइकिल RJ14ZH3904 से खोले के हनुमान जी के दर्शन करने गया था। उसने वाहन को पार्किंग में लॉक कर खड़ा किया था, लेकिन दर्शन के बाद करीब 8 बजे वापस आने पर मोटर साइकिल वहां नहीं मिली। परिवार ने आसपास के एरिया और कॉलोनियों में काफी

तलाश किया तथा 100 नम्बर पुलिस कंट्रोल रूम में भी सूचना दी। इसके बाद थाना गलतागेट पर अभियोग संख्या 01/2026 धारा 303(2) BNS के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा आईपीएस के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नीरज पाठक और सहायक पुलिस आयुक्त रामगंज आदित्य पूनियां के सुपरविजन में पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी धर्म सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम को साफ़ हिदायत दी गई कि जल्द से जल्द आरोपी की पहचान कर माल बरामद किया जाए। गठित दस्ते ने अथक प्रयासों से घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चैक की, जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति मोटर साइकिल चोरी करता हुआ दिखाई दिया। फुटेज के आधार पर पुलिस ने तकनीकी मदद लेकर आरोपी फरीद नकवी को दस्तयाब किया। पूछताछ में सामने आया कि मुल्जिम नशा करने का आदी है और अपनी लत पूरी करने के लिए वाहन चोरी की वारदात करता है। उसके कब्जे से हीरो मोटोकॉर्प कंपनी की स्प्लेंडर प्लस मॉडल, ब्लैक रंग में ग्रे ग्राफिक्स वाली मोटर साइकिल बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी मूल रूप से मालपुरा जिला टोंक का रहने वाला है और हाल में वन विहार कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड इदगाह दिल्ली बाईपास रोड पर रह रहा था। इस कार्यवाही में पुलिस निरीक्षक धर्म सिंह, हैड कांस्टेबल किशनलाल 1793, प्रदीप सिंह 1229, कांस्टेबल विनोद 7676, बी विनित 7613 और कुलदीप सिंह 9158 शामिल रहे। जेडीए और पुलिस के संयुक्त अभियानों से साफ़ संदेश गया है कि अवैध कब्जा हो या वाहन चोरी, कानून के खिलाफ़वर्ज़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस अब आरोपी के नेटवर्क और अन्य चोरी के मामलों में संलिप्तता की जांच कर रही है ताकि और वारदातों का खुलासा हो सके और आमजन को पूरी हिफ़ाज़त मिल सके।

भारतीय वन सेवा–2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय वन सेवा–2024 बैच (राजस्थान कैडर) के सात प्रशिक्षु अधिकारियों ने मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास से मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने कहा कि अपनी अनोखी जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध राजस्थान में वृहत मरुस्थल के साथ ही वन क्षेत्र की भी पर्याप्तता है, यहां विश्व विख्यात अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान न केवल दुर्लभ प्रजातियों का संरक्षण करते हैं, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण संतुलन को भी बनाए रखते हैं। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि भारतीय वन सेवा के अधिकारी होने के नाते आप स्वयं पर विश्वास रखते हुए युवा सोच और नवीन विचारों के साथ कार्य करें तथा प्रदेश की अमूल्य वन संपदा के संरक्षण में अपना महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि राजस्थान एक ऐसा प्रदेश है, जहाँ इस सेवा के दौरान अधिकारियों को ग्रामीण एवं शहरी—दोनों क्षेत्रों में कार्य करने का व्यापक और बहुआयामी अनुभव प्राप्त होता है। संवाद के दौरान उन्होंने अपने प्रशिक्षण काल से जुड़े अनुभव एवं संस्मरण प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ साझा किए तथा राजस्थान में समय के साथ हुए सकारात्मक परिवर्तनों पर चर्चा की। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से प्रदेश में वाटरशेड विकास, प्रजाति संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण एवं वन क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा की। मुख्य सचिव ने राज्य सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु संचालित 181 हेल्पलाइन का उदाहरण देते हुए कहा कि इस व्यवस्था के माध्यम से आम नागरिकों की शिकायतों का समयबद्ध रूप से, सामान्यतः 20 दिनों के भीतर ही निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि इसी तरह आपको भी प्रशासनिक सेवा के माध्यम से आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनना, समझना और उनका समाधान करने की दिशा में कार्य करना है तथा नियमों एवं मर्यादा का पालन करते हुए प्रदेश के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करना है।

हिदायत चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा "एक शाम बुज़ुर्गों के नाम" सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । हिदायत चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा "एक शाम बुज़ुर्गों के नाम" सम्मान समारोह बहुत ही ख़ूबसूरत और यादगार अंदाज़ में मुकम्मल हुआ। मुख्य अतिथि किशनपोल विधायक अमीन काग़ज़ी की गरिमामयी मौजूदगी और नसीहत-भरी बातों ने कार्यक्रम को और असरदार बना दिया। इस मौके पर रहमानी बिरादरी की उन अज़ीम शख़्सियतों को याद किया गया जो आज हमारे दरमियान मौजूद नहीं हैं। ख़ास तौर पर फोटो और फोटो-फ्रेम के ज़रिये आने वाली नस्लों को उन बुज़ुर्गों की ज़िंदगी, उनकी ख़ामोश ख़िदमत और उनके योगदान से रूबरू कराया गया। साथ ही उनके लिए दुआएँ की गईं और उनके अहल-ए-ख़ानदान को सम्मानित किया गया। मुख्य ट्रस्टी नाहिद अख़्तर और अध्यक्ष डॉ. नफीस अहमद ने मुख्य अतिथि अमीन काग़ज़ी और सभी मेहमानों का और बुज़ुर्गों को धन्यवाद दिया।

कार्यालय नगर पालिका, महवा (दौसा) राज.

EMAIL-nagarpalikamahwa@gmail.com फोन नं. 07461 284005
क्रमांक-नपाम/2025-26/2488 दिनांक-10/10/2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है निम्न आवेदकों द्वारा नगर पालिका में 90ए/69ए के तहत भूमि नियमन एवं पट्टे चाहने हेतु कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है । यदि इस सूची में दर्ज सम्पत्ति पर किसी आम व खास को कोई उज्र/आपत्ति हो तो पालिका में 07 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें, बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा और नियमानुसार उक्त कार्यवाही की जावेगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	प्रयोजनार्थ	खसरा नं०	क्षेत्रफल
01	बरफी देवी पत्नि श्री रामरतन मीना	अन्छापुरा	आवासीय	312/1755	139.40 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका, महवा

कार्यालय नगर पालिका, महवा (दौसा) राज.

EMAIL-nagarpalikamahwa@gmail.com फोन नं. 07461 284005
क्रमांक-नपाम/2025-26/2485 दिनांक-10/10/2025

आपत्ति आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है निम्न आवेदकों द्वारा नगर पालिका में 90ए/69ए के तहत भूमि नियमन एवं पट्टे चाहने हेतु कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है । यदि इस सूची में दर्ज सम्पत्ति पर किसी आम व खास को कोई उज्र/आपत्ति हो तो पालिका में 07 दिवस के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें, बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा और नियमानुसार उक्त कार्यवाही की जावेगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	प्रयोजनार्थ	खसरा नं०	क्षेत्रफल
01	राकेश कुमार पुत्र श्री रामरतन मीना	अन्छापुरा	आवासीय	312/1755	139.40 वर्गमीटर

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका, महवा

इलेक्ट्रो होम्योपैथी जन्मदाता डॉक्टर काउंट सीजर मेंटी का जन्मदिन मनाया

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा मंच के तत्वावधान में इलेक्ट्रो होम्योपैथी जन्मदाता डॉक्टर काउंट सीजर मेंटी का जन्मदिन गोकुल गांव रिसोर्ट में बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में चंडीगढ़ से डॉ. सुषमा चौधरी सीईओ विश्व इलेक्ट्रो होम्योपैथिक फार्मा एवं डॉक्टर समुंदर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए इस कार्यक्रम में राजस्थान के सभी जिलों से सैकड़ो की तादाद में डॉक्टर ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं इस इलेक्ट्रो होम्योपैथिक सेमिनार में डॉक्टर समुंदर सिंह ने विस्तार से चर्चा की लोगों के प्रश्नों के उत्तर दिए तथा भारतीय इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा मंच के ओर से घोषणा की गई की साल में दो प्रोग्राम निशुल्क किए जाएंगे सभी जिलों में निशुल्क इलेक्ट्रो होम्योपैथिक के चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे और उसके लिए टीम बनाने की घोषणा की चिकित्सा शिविरों में डॉ. पी एन व्यास एवं डॉ. राकेश राव को शिविरों की जिम्मेदारी दी गई। डॉक्टर हितेश दीक्षित ने सभी आगंतुक मेहमानो का स्वागत किया एवं सभी डॉक्टरों के लिए प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो दिए गए एवं डॉक्टर हितेश दीक्षित ने भारतीय इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सा मंच को गति देने के लिए डॉ. . शब्बीर खान को प्रदेश का अध्यक्ष

सर्वसम्मति से बनाया गया तथा संस्थापक सचिव डॉक्टर हितेश दीक्षित होंगे कोषाध्यक्ष के रूप में डॉ. राजेश कुमावत होंगे और बताया गया कि जल्दी ही इसका विस्तार किया जाएगा। इस कार्यक्रम में डॉक्टर पी. एन व्यास, डॉ. शब्बीर खान, डॉ. हितेष दीक्षित, डॉ. विनोद कुमार पांण्डे आजाद हिंद अध्यक्ष राजस्थान इलेक्ट्रो होम्योपैथी विकास संस्था, डॉ. मिर्जा गालिब, डॉक्टर आसिफ इकबाल, डॉ. राजेश कुमावत, डॉक्टर हंसराज गुर्जर, डॉक्टर ओम प्रकाश महला डॉ. हरफूल चौधरी, डॉक्टर विजयलक्ष्मी तांबी, डॉक्टर सीमा घेई, डॉ. चंदा मिश्रा, डॉ. मोहम्मद मुस्तफा, डॉ. सोहेल कुरेशी, डॉक्टर मुशाहिद, डॉक्टर अयूब, डॉ. फाजिल, डॉ. सुनील यादव, डॉ. प्रमोद जाजोरिया उपस्थिति थे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

सुजानगढ़ में पहली बार भव्य मातृ शक्ति व नशामुक्ति रैली

-5100 कलश के साथ निकलेगा ऐतिहासिक जुलूस

मोहम्मद अली पठान

सुजानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। मेसानियां भैरव धाम राजगढ़ (अजमेर) के मनोकामना पूर्ण स्तंभ की 23वीं वर्षगांठ के पावन अवसर पर सुजानगढ़ में आज प्रथम बार एक भव्य मातृ शक्ति एवं नशामुक्ति रैली का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य उपासक सर्व चंपालालजी महाराज के सुजानगढ़ आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। यह विशाल जुलूस 5100 कलशों के साथ एन.के. स्टेडियम से रवाना होकर शहर के प्रमुख बाजारों से होता हुआ रेलवे स्टेशन पहुंचेगा। रेलवे स्टेशन परिसर में प्रसिद्ध भजन गायकों ओम मुंडेल, सुनीता स्वामी, राजकुमार स्वामी एवं पद्मश्री नाथूलाल सोलंकी द्वारा भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री भगीरथ चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। आयोजन की तैयारियों का जायजा आज गोपालपुरा सरपंच सविता राठी, केसर सिंह राजियासर (पूर्व सरपंच), दिनेश पीपलवा, झुंझुनू के अजय बुडानिया, किशोर सेन, सुरेश सेन, अजय, कैप्टन, गोपाल पारीक, सतीश सेन, पुष्पेंद्र चौहान, रामनिवास सहित अन्य पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने लिया। सुजानगढ़ में आयोजित हो रहे इस नशामुक्ति के भव्य कार्यक्रम को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। व्यवस्था से जुड़े कार्यकर्ता पूरे आयोजन को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। बाजारों में गेट, बैनर व झंडियां लगाकर शहर को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है, जिससे पूरा नगर धार्मिक व सामाजिक चेतना के रंग में रंगा नजर आ रहा है।

मिस्टर बारां इफ्तिखार मंसूरी रहे

जूनियर मिस्टर बारां का खिताब कमल सुमन ने जीता

बारां (रॉयल पत्रिका)। 15वीं मिस्टर बारां बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन एक निजी रिसॉर्ट में हुआ। बॉडी बिल्डिंग सचिव उमेश अग्रवाल ओमी ने बताया कि प्रतियोगिता में बाराँ जिले के 100 से अधिक प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। इसमें विभिन्न भार वर्गों में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मिस्टर बारां का खिताब इफ्तिखार मंसूरी ने जीता। रनर अप पुनित जंगम, बेस्ट पोजर गौरव चौरसिया रहे। जूनियर मिस्टर बारां का खिताब कमल सुमन ने जीता। मास्टर्स कैटेगरी में विजेता भीमसिंह रहे। हैंडीकेप कैटेगरी में विजेता नावेद रहे। गेस्ट पोजिंग मिस्टर राजस्थान विनर आदिल रजा ने की। निर्णायक अंतर्राष्ट्रीय बॉडी बिल्डर शोएब खान रहे। सभी को पारितोषिक शेप अप फिटनेस सेंटर एवं किंग्स न्यूट्रिशन कोटा द्वारा दिया गया।

विधायक राजेंद्र मीणा ने पुलिस अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

-कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए समीक्षा बैठक आयोजित

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका) महवा में मंगलवार को विधायक राजेंद्र मीणा ने पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय महवा पर सभी थानाधिकारियों की मीटिंग लेकर कानून व्यवस्था को ओर बेहतर बनाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को बनाए रखना हमारी पहली प्राथमिकता है और इसके लिए हमें सभी आवश्यक कदम उठाने होंगे। विधायक मीणा ने कहा कि हमें अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी होगी और आमजन को सुरक्षित माहौल प्रदान करना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय होना आवश्यक है, ताकि अपराधों को रोकने में मदद मिल सके। इस दौरान विधायक मीणा ने थानाधिकारियों से उनके क्षेत्रों में कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हमें अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनानी होगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विधायक मीणा ने कहा कि हमें आमजन की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तैयार रहना होगा और उनकी शिकायतों को गंभीरता से लेना होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी है कि वह आमजन को सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल प्रदान करे।इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक महवा, थानाधिकारी महवा, थानाधिकारी मंडावर, बालाहेडी के थानाधिकारी मौजूद रहे।

राजस्थान एकाउन्टेन्ट्स एसोसिएशन सवाई माधोपुर द्वारा स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह आयोजित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान एकाउन्टेन्ट्स एसोसिएशन, जिला शाखा सवाई माधोपुर द्वारा लेखाकर्मियों के स्नेह मिलन, सेवानिवृत्त लेखाकर्मियों एवं पदोन्नत लेखाधिकारियों के सम्मान के क्रम में स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह-2026 का आयोजन अतिरिक्त कोषाधिकारी अस्मिता मीना के मुख्य आतिथ्य में होटल रणथम्भौर विलास में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश महामंत्री देवीसहाय मीना ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में लेखाधिकारी जिला परिषद सवाई माधोपुर रंजना मीना एवं प्रदेश सभाध्यक्ष गिर्राज प्रसाद मीना उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष आर.ए.ए. जयपुर दिनेश चौधरी, जिलाध्यक्ष आर.ए.ए. करौली कुलदीप मीना, जिलाध्यक्ष आर.ए.ए. झालावाड़ सुनील भारती सहित जयपुर, करौली एवं झालावाड़ जिलों से आए लेखाधिकारी सदस्य, प्रांतीय प्रतिनिधिगण तथा सहसंयोजक कमलेश मीना ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात जिला शाखा सवाई माधोपुर की ओर से जिलाध्यक्ष, महामंत्री, कार्यकारिणी सदस्यों एवं लेखाकर्मियों द्वारा अतिथियों का माल्यार्पण, साफा पहनाकर, पुष्पगुच्छ एवं भगवान श्रीगणेश का प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन की ओर से सेवानिवृत्त लेखाधिकारियों तथा सहायक लेखाधिकारी प्रथम से लेखाधिकारी एवं सहायक लेखाधिकारी द्वितीय से सहायक लेखाधिकारी प्रथम पद पर पदोन्नत अधिकारियों को माल्यार्पण, साफा एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों द्वारा अपने उद्बोधन में लेखा संवर्ग की विभिन्न मांगों, संगठनात्मक प्रयासों एवं संघ की सकारात्मक भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश सभाध्यक्ष एवं विभिन्न जिलाध्यक्षों ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा लेखा संवर्ग के हितों की रक्षा हेतु सतत संघर्ष करने का आश्वासन दिया तथा सभी लेखाकर्मियों से संगठन के प्रति सक्रिय एवं समर्पित रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला शाखा सवाई माधोपुर के जिलाध्यक्ष आशीष बेनीवाल ने कहा कि अतिथियों एवं लेखाकर्मियों की गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा एवं सफलता में वृद्धि हुई है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं आगंतुकों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए स्नेह भोज हेतु आमंत्रित किया। कार्यक्रम में जिला संगठन के पदाधिकारी, प्रांतीय प्रतिनिधि, सदस्यगण एवं पूर्व जिलाध्यक्षों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिनमें महामंत्री ऋषिकेश मीना, पूर्व जिलाध्यक्ष राधेश्याम प्रजापति, मानसिंह मीना, राजेश मीना, कोषाध्यक्ष बत्तीलाल बैरवा सहित पवन गुप्ता, दिनेश शर्मा, गिरधर शर्मा, खुशेन्द्र जैन, धर्मसिंह मीना, विमल गुर्जर, रविन्द्र मनोहरिया, रोहित गुप्ता, अनुराग गुप्ता, सतीश जैन, आशीष शर्मा, जितेन्द्र साहू, दिनेश स्वर्णकार, केशव श्रीमाल, विकल्प जैमिनी, मनीष शर्मा, अनिता शर्मा, प्रियंका मीना, अनिता मीना, करतार सिंह, मानवेन्द्र सिंह सहित अनेक लेखाधिकारी एवं नव नियुक्त कनिष्ठ लेखाकार उपस्थित रहे।

मोटरसाइकिल व मोपेड में टक्कर एक घायल

इकबाल मोहम्मद शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। बनेड़ा आगूचा मार्ग पर कोडलाई चौराहे पर मोटरसाइकिल व मोपेड में भिड़ंत हो गई दुर्घटना में डाबला निवासी रामनिवास पिता किशन शर्मा 70 वर्ष घायल हो गये। बनेड़ा 108 एंबुलेंस को सूचना पर पायलट प्रकाश चंद्र कुमावत तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर घायल को कंपाउंडर रमेश चंद्र गुर्जर द्वारा प्राथमिक उपचार देकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनेड़ा पहुंचाया। बनेड़ा आगूचा रोड पर कोडलाई चौराहे के निकट सड़क पर स्पीड ब्रेकर ना होने की वजह से आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है जिसमें प्रशासन से ग्रामीणों ने स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की है।

भाजपा जिला कार्यकारिणी की प्रथम बैठक सम्पन्न, संगठन को मजबूत करने का आह्वान

बारां (रॉयल पत्रिका) । भारतीय जनता पार्टी द्वारा घोषित जिला कार्यकारिणी की प्रथम बैठक मंगलवार 06 जनवरी 2026 को कोटा रोड स्थित सांसद कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारियों का परिचय एवं संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार ने नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पद आते–जाते रहते हैं, लेकिन संगठन सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को संगठन को मजबूत बनाने के लिए सतत रूप से कार्य करना चाहिए। अपनी राजनीतिक यात्रा का उल्लेख करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने राजनीति की शुरुआत युवा मोर्चा मंडल महामंत्री के दायित्व से की थी, इसलिए पद की चिंता किए बिना संगठन हित में कार्य करना ही सच्ची निष्ठा है। वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेमनारायण सोनी ने कार्यकारिणी को हृदय से बधाई देते हुए संगठन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यकर्ता के कर्तव्य, पंचनिष्ठा, भाजपा के आदर्शों तथा पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं राजमाता विजया राजे सिंधिया के विचारों को स्मरण करते हुए कहा कि सेवा और समर्पण ही संगठन का मूल ध्येय है। भाजपा जिला प्रवक्ता योगेश राजोरा ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया की बैठक का आरम्भ मंचासीन अतिथियों ने डॉक्टर श्यामाप्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय की चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया वही समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ बैठक को भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश मीणा वरिष्ठ नेता डॉ मजिद मलिक कमांडो जिला महामंत्री राकेश जैन ने भी सम्बोधित किया, मंच संचालन जिला उपाध्यक्ष गोविंद सिंह चौहान ने किया वही जिला महामंत्री महावीर सिंह हाड़ा, प्रधान मोरपाल सुमन, उपजिला प्रमुख छीतरलाल मेघवाल, शहर अध्यक्ष ओपी पारेता मंच पर मौजूद रहे।

ये रहे उपस्थित-

बैठक में उपस्थित जिला उपाध्यक्षों में निर्मल माथोडिया, जयेश गालव, गोविंद सिंह चौहान, मुकेश केरवालिया, देवेंद्र शर्मा, रूपसिंह लोधा एवं हेमंत नागर शामिल रहे। जिला मंत्रियों में राजसिंह चौधरी, उषा कुशवाह, श्रीमती प्रियंका शर्मा, मुकेश राठौर, विष्णु गुप्ता, हरिप्रकाश गुर्जर एवं द्वारका मेहता उपस्थित रहे। कोषाध्यक्ष राजीव अग्रवाल एवं सह-कोषाध्यक्ष बजरंग लाल मालव भी बैठक में मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त मंडल अध्यक्ष मुकेश नागर, वीरेंद्र सिंह हाड़ा, पवन गंदोलिया, पुष्पदयाल मीणा, गोविंद सिंह राजावत, शैलेन्द्र मेहता, देवेंद्र पारेता, महेंद्र मीणा एवं जयप्रकाश सुमन उपस्थित रहे। विभिन्न प्रकोष्ठों से अमर सिंह भील (प्रकोष्ठ संयोजक), भंवरलाल मीणा, भगवती बैरवा, रामसागर मेघवाल, सोशल मीडिया संयोजक रोहित नायक सरकार एवं सह-संयोजक श्रीमती रेखा मेहता, आईटी सेल संयोजक रीतिक सुमन, राजमल मेहता, जिला प्रवक्ता भानु प्रताप सिंह रहलई, मोना जैन, राजेन्द्र तोमर, कार्यालय प्रमुख कार्यालय मंत्री धीरेंद्र नागर एवं केसरी लाल मेहता सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी उपस्थित रहे,बैठक का समापन संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के संकल्प के साथ किया गया।

मिल्लत चेरिटेबल ट्रस्ट की चौथी आमसभा की बैठक आयोजित

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट की चौथी आम सभा ट्रस्टी एवं संरक्षक मोहम्मद इरशाद खान की अध्यक्षता में संपन्न हुई । ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी हाजी मोहम्मद हयात खान ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि जयपुर से पधारे हाजी मुश्ताक खान की तिलावत ए कुरान से सभा प्रारंभ हुई। मदीना शरीफ से उमरा करके एवं अपने बच्चों का निकाह करके वापस लौटे ट्रस्ट के संरक्षक महफूज आलम कचारा और ट्रस्टी इंजीनियर जाकिर हुसैन का ट्रस्ट की जानिब से सभा में इस्तकबाल किया गया। वाइस चेयरमैन हाजी मुख्तार अंसारी ने अपने स्वागत भाषण में सभी सरपरस्त और ट्रस्टी का इस्तकबाल करते हुए बताया कि सभी ट्रस्टी, ट्रस्ट के लिए बेशकीमती सरमाया हैं। इतनी ठंड होने के बावजूद आपकी उपस्थिति हमें हौसला प्रदान करती है। आज की यह सभा हम सबके लिए यादगार साबित होगी और हाड़ौती की धरती पर एक ऐतिहासिक इबारत लिखने के लिए हमेशा याद रखी जाएगी। जनरल सेक्रेटरी हाजी मोहम्मद हयात खान ने अपनी रिपोर्ट पेश करते हुए सभी उपस्थित महानुभावों से हॉस्पिटल के लिए अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग करने की अपील की। कोषाध्यक्ष इमाम हुसैन मंसूरी ने 2024-25 का आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। सेक्रेटरी की रिपोर्ट और आय व्यय के ब्योरे पर विचार विमर्ष कर सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन हाजी सलीम अब्बासी ने ट्रस्ट बनाने के उद्देश्य और अस्पताल के लिए खरीदी जा रही बिल्डिंग के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। एम सी टी क्लीनिक के प्रभारी मोहम्मद जाकिर आसफी ने बताया कि क्लीनिक द्वारा रियायती दरों पर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करके अभी तक हम जनता का लगभग डेढ़ करोड़ रुपए की बचत करने में सफल रहे हैं जबकि हम अपना 10% ही सेवाएं दे पा रहे हैं। क्लीनिक अधीक्षक डॉक्टर अब्दुल रब ने नया अस्पताल बनने पर कौन-कौन सी चिकित्सीय सेवाएं उपलब्ध कराए जाएंगी, के बारे में विस्तार से बताया। सभा को डॉक्टर एन डी पठान हमीद उल हक, मुश्ताक खान, तरन्नुम नाज ने संबोधित करते हुए ट्रस्ट की गतिविधियों को अधिक सुचारू रूप से चलाने के लिए अपने बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किये। प्रोग्राम में कोटा, बूँदी, बारां, झालावाड़, तालेडा से लोगों ने शिरकत कर प्रोग्राम को, कामयाब बनाया, शिरकत करने वालों में मुख्य रूप से, मुख़्तार पठान, एडवोकेट, जेड असलम, मास्टर सलाम भाई, आमीन अली, इंजीनियर ज़ाकिर हुसैन,P A नईम खान, फरीद सर,हाजी गफ्फार मिर्जा, अज़ीज़ अंसारी,मुश्ताक भाई, लियाकत साहब, हमीदुल हक साहब बूँदी से राशिद सिद्दीक़ी, रज़िया खातून, तालेड़ा से निज़ाम भाई, देवली से मुजीबुर्रेहमान साहब झालावाड़ से असलम खान, झालावाड़ पाटन से ट्रस्ट के सरपरस्त मुशताक खान,अख्तर खान, सय्यद मुमताज़ अली, आदि लोगों ने शिरकत कर प्रोग्राम को कामयाब बनाया। ट्रस्ट के चेयरमैन हाजी खलील कुरेशी ने प्रत्येक ट्रस्टी से हॉस्पिटल बिल्डिंग के लिए अधिक से अधिक धनराशि जुटाने का आह्वान किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में मोहम्मद इरशाद खान ने ट्रस्ट के कार्यों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि इतने कम अवधि में ट्रस्ट ने सराहनीय कार्य किया है और जनता को महंगे इलाज में राहत प्रदान की है। उन्होंने बताया कि क्लीनिक द्वारा रियायती दरों पर इलाज,जांच तथा सोनोग्राफी की सेवाओं का व्यापक प्रचार प्रसार करने की आवश्यकता है चाहे कुछ धनराशि खर्च करना पड़े। उन्होंने अपनी ओर से हॉस्पिटल के लिए भरपूर सहयोग का भरोसा दिलाया। सभा का संचालन हाजी सलीम अब्बासी ने किया। अंत में दुआ के साथ सभा समाप्ति की घोषणा की गई।

बिहारीलाल विश्नोई भरतपुर संभाग प्रभारी नियुक्त

-भाजपाइयों ने प्रदेश नेतृत्व का जताया आभार

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने संगठनात्मक गतिविधियों एवं पार्टी को संभाग स्तर पर मजबूत करने के लिए प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारीलाल विश्नोई को भरतपुर संभाग का संगठन प्रभारी नियुक्त किया है । जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि नवनियुक्त संभाग संगठन प्रभारी की नियुक्ति पर जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर, जिला संगठन प्रभारी संजय नरूका के नेतृत्व में जिले के कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की और प्रदेश नेतृत्व का आभार जताया ।

कृषि भूमि की खुली लूट! नियमों को कुचलकर काटी जा रही कॉलोनी, प्रशासन बना अनजान

-पीलीबंगा की खोथांवाली पंचायत के कैंचिया क्षेत्र में अवैध प्लॉटिंग का खेल, कौन दे रहा है संरक्षण?

पीलीबंगा/हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। पीलीबंगा तहसील की ग्राम पंचायत खोथांवाली के अधीन आने वाले कैंचिया क्षेत्र में कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी काटने का खेल खुलेआम चल रहा है। बिना किसी वैधानिक अनुमति, बिना भूमि उपयोग परिवर्तन और बिना स्वीकृत ले-आउट के खेतों को प्लॉटों में तब्दील किया जा रहा है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रशासनिक मशीनरी पूरी तरह मौन साधे हुए है। सूत्रों के अनुसार कैंचिया क्षेत्र में कई बीघा उपजाऊ कृषि भूमि पर कॉलोनी विकसित की जा रही है। मौके पर कच्ची सड़कें निकाल दी गई हैं, सीमांकन कर प्लॉट बनाए जा चुके हैं और कथित तौर पर आम लोगों को रजिस्ट्री का झांसा देकर जमीन बेची जा रही है।

कानून सिर्फ कागजों में?-

राजस्थान में कृषि भूमि को आवासीय उपयोग में लेने के लिए राजस्व विभाग से कन्वर्जन और राजस्थान कॉलोनी अधिनियम, 1975 के तहत कॉलोनी का पंजीकरण अनिवार्य है। इसके बावजूद कैंचिया में इन नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। न कॉलोनी स्वीकृत है, न सड़क, पार्क और सार्वजनिक सुविधाओं का कोई प्रावधान किया गया है। जानकार बताते हैं कि इस तरह की अवैध कॉलोनियां भविष्य में बड़े विवाद का कारण बनती हैं। न बिजली-पानी के वैध कनेक्शन मिलते हैं और न ही नामांतरण संभव होता है। बाद में कार्रवाई होने पर सबसे ज्यादा नुकसान आम खरीदार को उठाना पड़ता है।

प्रशासनिक चुप्पी पर गंभीर सवाल-

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब अवैध कॉलोनी दिनदहाड़े काटी जा रही है, तो तहसील प्रशासन, पंचायत और राजस्व विभाग की नजरें आखिर क्यों नहीं पड़ रही? क्या अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है या फिर सब कुछ जानते हुए भी आंखें मूंद ली गई हैं? ग्रामीणों का आरोप है कि यदि प्रशासन चाहता तो शुरुआती स्तर पर ही इस अवैध गतिविधि को रोका जा सकता था, लेकिन अब स्थिति यह है कि कॉलोनी का ढांचा खड़ा किया जा चुका है।

कृषि भूमि खत्म होने का खतरा-

स्थानीय किसानों का कहना है कि यदि इसी तरह कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनियां काटी जाती रहीं, तो आने वाले समय में खेती योग्य जमीन तेजी से खत्म हो जाएगी। इससे न केवल किसानों की आजीविका प्रभावित होगी, बल्कि क्षेत्र का संतुलित विकास भी बाधित होगा।

संरक्षण देने वालों की भूमिका पर जांच जरूरी-

ग्रामीणों में चर्चा है कि इस अवैध कॉलोनी को किसी न किसी स्तर पर संरक्षण मिल रहा है, तभी इतने बड़े स्तर पर काम होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। लोगों ने मांग की है कि केवल कॉलोनी काटने वालों पर ही नहीं, बल्कि संरक्षण देने वाले अधिकारियों की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

जनता पूछ रही है सवाल-

बिना कन्वर्जन कॉलोनी कैसे कट रही है? जिम्मेदार अधिकारी अब तक क्या कर रहे हैं? क्या कार्रवाई सिर्फ कागजों तक सीमित रहेगी? आम लोगों को ठगने वालों पर कब गिरेगी गाज? अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेता है या फिर कैंचिया में कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी का यह खेल यूं ही चलता रहेगा।

खुला बंदी शिविर नरसिंहपुर से फरार उम्रकैद का बंदी गिरफ्तार

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। खुला बंदी शिविर नरसिंहपुर से फरार हुए उम्रकैद की सजा काट रहे एक बंदी को पुलिस ने दस्तयाब कर लिया है। बंदी के सुबह हाजिरी लगाने के बाद शाम तक शिविर में वापस नहीं लौटने पर उसके खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया था। जानकारी के अनुसार, फरार बंदी सुबह नियमित रूप से हाजिरी देने के बाद बाहर गया था, लेकिन निर्धारित समय तक शिविर नहीं लौटा। इस पर जेल प्रशासन की ओर से घमुड़वाली थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। मामला दर्ज होते ही घमुड़वाली थाना प्रभारी सीआई राजेंद्र सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए टीम का गठन किया और आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए कुछ ही समय में फरार बंदी को पकड़ लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि खुला बंदी शिविर नरसिंहपुर से पहले भी कई बार बंदी फरार हो चुके हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं से शिविर की सुरक्षा व्यवस्था और कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों और प्रशासनिक हलकों में यह चर्चा है कि कर्मचारियों की लापरवाही के चलते इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। पुलिस और जेल प्रशासन की ओर से अब सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने की बात कही जा रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

एनसीसी कैडेट आयशा बानो का जे.एन.वी.यू. वेस्ट जोन महिला क्रिकेट टीम में चयन

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। बांगड़ महाविद्यालय, पाली की एनसीसी कैडेट एवं बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा आयशा बानो का सत्र 2026 के लिए जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय (जे.एन.वी.यू.) वेस्ट जोन महिला क्रिकेट टीम में चयन हुआ। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. महेन्द्र सिंह राजपुरोहित तथा खेल समिति सदस्य एवं एनसीसी प्रभारी प्रो. रामेश्वर चौधरी ने आयशा बानो को शुभकामनाएँ देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है तथा अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 एवं पंचायती राज वार्ड पुनर्गठन की समीक्षा

-जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में वीसी से हुई अहम बैठक, पारदर्शिता व समयबद्धता पर जोर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 तथा पंचायती राज संस्थाओं के वार्डों के पुनर्गठन कार्य की प्रगति की समीक्षा हेतु मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय शर्मा सहित जिले के समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, उपखंड अधिकारी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

एसआईआर-2026 में पात्र मतदाता न छूटे, यह सर्वोच्च प्राथमिकता :-

जिला निर्वाचन अधिकारी काना ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और अपात्र नामों का नियमानुसार निराकरण हो। उन्होंने निर्देश दिए कि नो-मैप अथवा दस्तावेज अपूर्ण मामलों में जारी नोटिसों की प्रभावी तामील सुनिश्चित की जाए तथा निर्धारित तिथियों पर व्यक्तिगत सुनवाई कर पारदर्शी ढंग से सत्यापन किया जाए। सभी अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 12 वैध दस्तावेजों के अनुसार ही कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

नोटिस, सुनवाई और दस्तावेज सत्यापन में लापरवाही नहीं :-

बैठक में स्पष्ट किया गया कि जिन मतदाताओं की मैपिंग पूर्व की मतदाता सूचियों से नहीं हो पाई है, उन्हें समय पर नोटिस देकर सुनवाई का अवसर दिया जाए। प्रस्तुत दस्तावेजों का गहन परीक्षण कर

योग्य मामलों में नाम जोड़ने तथा अपूर्ण मामलों में नियमानुसार पुनः अवसर प्रदान करने के निर्देश दिए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में निष्पक्षता, संवेदनशीलता और कानूनसम्मत निर्णय अत्यंत आवश्यक हैं।

1950 एसएमएस सेवा का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार :-

बैठक में मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रारूप मतदाता सूची में नाम जांच हेतु 1950 एसएमएस सेवा के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आमजन को इस सेवा की जानकारी दी जाए, ताकि वे आसानी से अपने नाम, मतदान केंद्र एवं क्रमांक की स्थिति जान सकें, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां मतदान केंद्रों में परिवर्तन हुआ है।

पंचायती राज वार्ड पुनर्गठन कार्य भी समयबद्ध पूर्ण हो :-

जिला निर्वाचन अधिकारी ने पंचायती राज संस्थाओं के वार्डों के पुनर्गठन से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की और निर्देश दिए कि आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रारूप प्रकाशन, दावा-आपत्ति निस्तारण एवं अंतिम प्रकाशन की सभी प्रक्रियाएं समयबद्ध और पारदर्शी रूप से पूर्ण की जाएं।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए समन्वित प्रयास जरूरी :-

जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती की आधारशिला है। सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता, समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि जिले में निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भरोसेमंद निर्वाचन प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

50वीं मिस्टर जोधपुर बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में पाली के मोहम्मद आदिल रंगरेज ने जीता गोल्ड मेडल, क्षेत्र में खुशी की लहर

मोहम्मद यासीन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर जिला बॉडी बिल्डिंग संगठन द्वारा आयोजित 50वीं 'मिस्टर जोधपुर' प्रतियोगिता 2026 में पाली के उभरते हुए बॉडीबिल्डर मोहम्मद आदिल रंगरेज ने स्वर्णिम सफलता हासिल की है। 4 जनवरी 2026 को आयोजित इस कड़े मुकाबले में आदिल ने 80 किलोग्राम भार वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। आदिल की प्रतिभा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने न केवल अपनी कैटेगरी में स्वर्ण जीता, बल्कि प्रतियोगिता के 'ऑल ओवर' वर्ग में भी द्वितीय स्थान प्राप्त कर जजों और दर्शकों को चकित कर दिया।

जोरदार स्वागत और सम्मान:

स्वर्ण पदक जीतकर पाली लौटने पर मोहम्मद आदिल का भव्य स्वागत किया गया। 'इंडियन

फिटनेस क्लब' पाली में आयोजित एक विशेष सम्मान समारोह में कोच सैय्यद अमजद अली काजी ने आदिल का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि आदिल की इस उपलब्धि ने खेल जगत में जिले का मान बढ़ाया है और वे जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तिरंगा लहराएंगे। इस अवसर पर जिशान अली रंगरेज, कासिफ अली रंगरेज, मुनाजिर अली चूड़ीगर, मुर्तजा, यासीन शबावत, रिजवान चढ़वा, आबिद कुरैशी, आरिफ पिंजरा, फिरोज मीर और इमरान तंवर सहित कई गणमान्य लोगों ने आदिल को मुबारकबाद दी। अपनी जीत पर आदिल ने आयोजकों और अपने शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया।

पीवीटीजी मतदाताओं के लिए क्लस्टर कैंप, बीदासर में सर्वाधिक 05 फॉर्म प्राप्त

चूरू (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा के निर्देशन में मंगलवार को जिले में ट्रांसजेंडर मतदाताओं तथा विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) मतदाताओं के लिए कलस्टर कैंप आयोजित किए गए। सीईओ श्वेता कोचर ने बताया कि चूरू जिला मुख्यालय पर देपालसर रोड स्थित झुग्गी बस्ती में विशेष संपर्क अभियान चलाया गया और पात्र लोगों को चिन्हित कर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए जागरूक किया गया।उन्होंने बताया कि जिले में क्लस्टर कैंप के दौरान कुल 07 नए मतदाताओं के फॉर्म-6 प्राप्त हुए, जिनमें से बीदासर में 05 तथा तारानगर व सुजानगढ़ से एक—एक फॉर्म प्राप्त हुए।

करौली विधानसभा SIR की बैठक वसुंधरा कॉलोनी स्थित जिला कार्यालय में सम्पन्न

हनीस शेख कुतकपुर

करौली (रॉयल पत्रिका)। करौली विधानसभा क्षेत्र की SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक मैगजीन वसुंधरा कॉलोनी स्थित जिला कार्यालय में संभाग प्रभारी हेमराज मीणा के नेतृत्व में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। संभाग प्रभारी हेमराज मीणा ने SIR की प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता बीएलए-2 के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें। उन्होंने बताया कि आगामी 8–10 दिनों में अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं को जोड़ने का कार्य करना है। जो युवा 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं, उनका नाम मतदाता सूची में अवश्य जोड़ा जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई अपात्र नाम सूची में शामिल न हो।

इस अवसर पर सांसद प्रत्याशी इंदु देवी ने कहा कि वर्ष 2002 के बाद अब SIR का कार्य हो रहा है, इसलिए सभी कार्यकर्ता बूथ स्तर तक सक्रिय रहकर इस अभियान को गंभीरता से पूरा करें। बैठक का मंच संचालन योगेश शर्मा एवं योगी द्वारा किया गया। वहीं जिला महामंत्री सुरेश शुक्ला ने अब तक किए गए SIR कार्य की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। बैठक में संगठन के प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें जिला उपाध्यक्ष अजयपाल, पुष्पेंद्र बंसल, जिला मंत्री आरती बैसला, कार्यालय मंत्री गोपाल शर्मा, आईटी सेल जिला संयोजक योगेन्द्र सिंगल, मीडिया जिला संयोजक मुकेश सोनी, जिला प्रवक्ता जितेन्द्र सिंह पिचानोत, ओबीसी प्रकोष्ठ जिला संयोजक राजेंद्र वर्मा सहित विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता शामिल रहे। बैठक का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और पूर्ण बनाना रहा, जिसको लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह और सक्रियता देखने को मिली।

चाकसू में मुस्लिम महासभा का 19वां स्थापना दिवस कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

-करौली जिले से बड़ी तादाद में पहुँचे पदाधिकारी

हनीस शेख कुतकपुर

चाकसू (रॉयल पत्रिका)। करौली की धरती आज एक ऐतिहासिक गवाह बनी, जब मुस्लिम महासभा का 19वां स्थापना दिवस और भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन पूरे शान-ओ-शौकत, अनुशासन और भाईचारे के माहौल में संपन्न हुआ। यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संगठन की मजबूती, संघर्ष और एकजुटता का जीवंत प्रमाण था। कार्यक्रम में करौली जिले से बड़ी तादाद में पदाधिकारी और कार्यकर्ता पहुंचे, जिन्होंने यह साफ कर दिया कि करौली आज संगठन की रीढ़ बनकर खड़ा है। दूर-दराज़ से आए कार्यकर्ताओं का उत्साह, जोश और समर्पण मंच से लेकर पंडाल तक साफ नजर आ रहा था। सम्मेलन में राष्ट्रीय, प्रदेश और जिला स्तर के पदाधिकारियों की गरिमामय मौजूदगी ने कार्यक्रम को और भी भव्य बना दिया। सभी अतिथियों का माला पहनाकर, प्रशस्ति पत्र और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। विशेष रूप से मुस्लिम महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक सिकंदर पठान का संपूर्ण जिला कार्यकारिणी एवं प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा किया गया सम्मान भावुक कर देने वाला रहा, जहां तालियों की गूंज

ने माहौल को और गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम संयोजक इक़बाल भाटी द्वारा किए गए सुव्यवस्थित और अनुकरणीय आयोजन की मंचासीन अतिथियों ने मुक्तकंठ से सराहना की। मंच से संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की भूमिका और आने वाले समय में समाज के लिए संघर्ष को और तेज करने का संदेश दिया गया। इस ऐतिहासिक मौके पर राष्ट्रीय प्रभारी अमजद खान, राष्ट्रीय महासचिव आबिद खान, प्रदेश मीडिया प्रभारी अज़ीम खान चिनायटा, राष्ट्रीय सचिव मोहम्मद शाह, प्रदेश उपाध्यक्ष अकबर अली, प्रदेश महासचिव मोहम्मद रफीक ताज, प्रदेश सचिव जहीर खान, भरतपुर संभाग प्रभारी मोहम्मद रफीक बालघाट, सवाई माधोपुर जिला अध्यक्ष वकील अहमद, डीग जिला अध्यक्ष असगर, बालोतरा जिला अध्यक्ष अब्दुल करीम, धौलपुर जिला अध्यक्ष मोहसिन, डीडवाना जिला अध्यक्ष इंसाफ, बूंदी जिला अध्यक्ष शोयब, मिर्ज़ा वासिद बेग, हाजी शहज़ाद खान, जाकिर खान, मुखीद खान, करौली जिला महामंत्री ईशुब हाडौली, करौली जिला मीडिया प्रभारी हनीस कुतकपुर, हिंडौन ब्लॉक अध्यक्ष नसीब मंडावरा, मजीद शाह, मोहम्मद रफीक जयपुर सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में कार्यक्रम का समापन संगठनात्मक एकजुटता, नए संकल्प और इस विश्वास के साथ किया गया कि मुस्लिम महासभा आने वाले समय में समाज की आवाज को और मजबूती से बुलंद करेगी। करौली जिले की यह ऐतिहासिक भागीदारी लंबे समय तक संगठन के इतिहास में याद रखी जाएगी ।

राजस्थान स्टेट मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चूरू के प्रीतम कुमार की चैंपियनशिप में एंट्री

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश के अलवर में हुई राज्यस्तरीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चूरू जिले ने 52 पदक जीते हैं। प्रतियोगिता अलवर के आरआर कॉलेज के एथलेटिक्स ट्रैक पर रविवार को हुई। पूर्व जिला खेल अधिकारी एवं एथलेटिक प्रशिक्षक ईश्वर सिंह लांबा ने बताया कि चैंपियनशिप में 30 स्वर्ण, 21 रजत व 1 ब्रॉन्ज मेडल जीत कर जिला राजस्थान में प्रथम रहा है। चूरू के प्रीतम कुमार ने 45 आयु के 400 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल एवं 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक, और 5000 मीटर दौड़ में

रजत पदक जीत कर नेशनल मास्टर चैंपियनशिप में एंट्री की। प्रीतम कुमार की सफलता को लेकर कोच ईश्वरी सिंह लांबा, एवं परिवार व समाज के लोगों ने उज्जवल भविष्य की कामना की।

नव वर्ष स्नेह मिलन एवं सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर वन विहार कॉलोनी के सामुदायिक भवन में वन विहार विकास समिति की ओर से नववर्ष स्नेह मिलन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता किशनाराम चौधरी ने की। समारोह में तारानगर के निवर्तमान प्रधान संजय कस्वां ने पूर्व सेवानिवृत कर्मचारियों व सामुदायिक भवन के विकास में सहयोग करने वालों को शॉल ओढाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। निवर्तमान प्रधान संजय कस्वां ने कहा कि वरिष्ठजनों का सम्मान करना बहुत बड़ी बात है। हर युवाओं को

अपने से बड़ों का सम्मान करना चाहिए। जिससे युवाओं को उनके आर्शीवाद से आगे आने का मौका मिलेगा। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों ने सामुदायिक भवन के उत्तरोत्तर विकास के लिए गए प्रस्तावों पर चर्चा की। इस अवसर पर कैलाशचन्द्र शर्मा, महेन्द्र सिंह शेखावत व डॉ. सुरेन्द्र शर्मा आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर असगर खां जोईया, जसवन्त सिंह राठौड़, ओमप्रकाश गेट, माणकचन्द जाखड़, मदन महर्षि आदि ने कार्यक्रम में सहयोग किया। संचालन आनन्दबाला ने किया।

सड़क सुरक्षा माह के तहत हेलमेट जागरूकता रैली का आयोजन

-जिला प्रशासन व यातायात पुलिस ने आमजन को सुरक्षित यातायात का दिया संदेश

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार द्वारा 1 से 31 जनवरी 2026 तक आयोजित सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को जिला मुख्यालय पर मोटरसाइकिल हेलमेट रैली का आयोजन किया गया। रैली का आयोजन जिला प्रशासन, यातायात पुलिस, परिवहन विभाग, वाहन डीलरों, ड्राइविंग स्कूलों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं नागरिकों के सहयोग से किया गया।

हेलमेट रैली पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर कलेक्ट्रेट, ज्योति नर्सिंग होम, बरवाड़ा बस स्टैंड, सब्जी मंडी, पुरानी ट्रक यूनियन एवं अंबेडकर सर्किल होते हुए पुनः कलेक्ट्रेट पहुंची। रैली के माध्यम से दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने तथा सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक किया गया।

जिला परिवहन अधिकारी हनुमान मीणा ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आमजन में जिम्मेदार नागरिक होने का भाव विकसित करते हैं।

नववर्ष पर आपणी पाठशाला में वितरित किए गर्म कपड़े

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर संचालित आपणी पाठशाला में चूरू विधायक हरलाल सहारण तथा दईया होजरी, नई दिल्ली के प्रो ताराचंद दईया ने परिवारजनों के साथ पाठशाला में अध्ययनरत विद्यार्थियों को गर्म कपड़े वितरित किए। इस मौके पर चूरू विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि इस प्रकार की नेक सोच और सेवा भावना से अभावग्रस्त बच्चों को शिक्षा में सहयोग मिलता है तथा सर्दी के मौसम में उन्हें राहत प्राप्त होती है। उन्होंने समाज के अन्य लोगों से भी ऐसे कार्यों में आगे आने का आह्वान किया। अतिथियों ने पाठशाला का अवलोकन कर बच्चों की शैक्षणिक व्यवस्था की

सराहना की तथा उनके बेहतर भविष्य हेतु किए जा रहे प्रयासों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान घीसाराम दईया, जीवराज दईया, सुल्तान सिंह दईया, राजपाल दईया, संत कुमार दईया, करनी सिंह दईया सहित श्रीबालाजी स्कूल नगरदास, न्यू राजस्थान स्कूल फतेहपुर, मारुति स्कूल फतेहपुर के डायरेक्टर भी उपस्थित रहे। आपणी पाठशाला टीम ने सभी आभार व्यक्त किया।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने युवाओं को बताए नशे के दुष्प्रभाव

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में 05 जनवरी से 12 जनवरी 2026 तक नालसा डाउन स्कीम-2025 के अंतर्गत साप्ताहिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी द्वारा कंकु विजय कॉलेज ऑफ एजुकेशन, खैरवा रोड, पाली में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उन्होंने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा नालसा द्वारा संचालित योजना " 'नशा पीड़ितों को विधिक सेवाएं और नशे का उन्मूलन' " के उद्देश्यों से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने एनसीबी की ई-प्रतिज्ञा "जीवन को हां कहें, नशे को ना कहें" लेने हेतु युवाओं को प्रेरित किया। सचिव भाटी ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकना है। इसके अंतर्गत नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने, नशा पीड़ितों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने, पुनर्वास एवं सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त उन्होंने विधिक सेवा प्राधिकरण के विभिन्न आयामों, निःशुल्क विधिक सहायता एवं उसकी पात्रता, पीड़ित प्रतिकर योजना, नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, नालसा पोर्टल, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (निवारण) अधिनियम

2013, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं परिवार में उनकी भूमिका, महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों के कानूनी अधिकार, बाल विवाह के दुष्परिणाम, राष्ट्रीय लोक अदालत तथा मध्यस्थता की प्रक्रिया के संबंध में भी जानकारी प्रदान की। साथ ही रालसा द्वारा जारी राज्यव्यापी विशेष अभियान '"न्याय आपके द्वार - लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ एवं त्वरित समाधान"' के बारे में बताया गया। उन्होंने अवगत कराया कि इस अभियान के अंतर्गत जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित शिकायतें विहित प्रारूप अथवा सरल हस्तलिखित प्रार्थना पत्र के माध्यम से रालसा के समर्पित मोबाइल नंबर 9119365734 पर सीधे व्हाट्सएप के माध्यम से प्रेषित की जा सकती हैं। इस अवसर पर निदेशक अभिषेक जैन, प्राचार्य डॉ. करण सैन, मांगीलाल तंवर, महाविद्यालय के अध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कलस्टर कैम्प में मतदाताओं का पंजीकरण

पाली। निर्वाचन विभाग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत "कोई भी पात्र मतदाता न छूटे" की संकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से मंगलवार को निर्वाचन क्षेत्र के समस्त मतदान केन्द्रों पर कलस्टर कैम्पों का आयोजन किया गया। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं उपखण्ड अधिकारी विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार समाज के वंचित वर्गों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने तथा मुख्यधारा में सम्मिलित करने हेतु समावेशी मतदाता पंजीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में 18 वर्ष आयु पूर्ण कर चुके युवा मतदाता, महिला मतदाता, दिव्यांगजन, ट्रांसजेंडर, घुमन्तु एवं अर्ध-घुमन्तु समुदाय तथा विशेष रूप से पिछड़े जनजातीय समूहों के मतदाताओं को स्वीप गतिविधियों के माध्यम से प्रेरित किया गया।

श्रीगंगानगर सेंट्रल जेल में 70 वर्षीय बुजुर्ग कैदी की मौत, न्यायिक जांच शुरू

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। सेंट्रल जेल श्रीगंगानगर में मंगलवार को 70 वर्षीय एक बुजुर्ग कैदी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक कैदी चैक अनादरण (धारा 138) के मामले में न्यायिक हिरासत में बंद था। जेल प्रशासन के अनुसार कैदी की तबीयत अचानक बिगड़ने पर उसे जेल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही न्यायिक अधिकारियों और प्रशासनिक अमले को अवगत कराया गया। मृतक के शव का पोस्टमार्टम न्यायिक अधिकारियों की मौजूदगी में करवाया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिसके आधार पर मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। गौरतलब है कि सेंट्रल जेल में बीते एक महीने के भीतर यह तीसरी कैदी की मौत का मामला सामने आया है, जिससे जेल प्रशासन की व्यवस्थाओं और कैदियों के स्वास्थ्य प्रबंधन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायिक जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जांच में यह पता लगाया जाएगा कि कैदी को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई या नहीं तथा किसी प्रकार की लापरवाही तो नहीं बरती गई। जेल प्रशासन का कहना है कि वे जांच में पूरा सहयोग करेंगे और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

कार्तिक आर्यन

ने जब शादी में किया फ्री डांस

अभिनेता ने शेयर किया मजेदार किस्सा

बॉलीवुड सितारों की जिंदगी बाहर से जितनी चमकदार दिखती है, अंदर से उतनी ही साधारण और मजेदार भी होती है। बड़े पर्दे पर रोमांस, एक्शन और कॉमेडी करने वाले कलाकार जब अपनी निजी जिंदगी के किस्से साझा करते हैं, तो फैंस बड़ी ही दिलचस्पी के साथ सुनते है। कुछ ऐसा ही देखने को मिला कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में, जब अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अपनी बहन की शादी से जुड़ा एक मज़ेदार अनुभव सबके साथ साझा किया, जिसने दर्शकों को हंसा-हंसा कर लोटपोट कर दिया। कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में उनके काम को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसी बीच वह अपनी को-स्टार अनन्या पांडे के साथ 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में गए, जहां उनका स्वागत शो के होस्ट कपिल शर्मा ने किया। बातचीत के दौरान कार्तिक ने अपनी बहन कृतिका तिवारी की शादी से जुड़ा मजेदार खुलासा किया। उन्होंने कहा, ''मैं अपनी बहन की शादी में परिवार के सदस्य की तरह नहीं, बल्कि एक मेहमान की तरह शामिल हुआ था। शादी की सारी तैयारियों की जिम्मेदारी मां और बहन ने संभाली थी। मेरा रोल सिर्फ शादी एंजॉय करने का था।''कार्तिक ने मजाकिया अंदाज में कहा, ''मैंने अपनी ही बहन की शादी में बिना किसी फीस के डांस किया। उसने मुझे एक रुपया तक नहीं दिया।''

BEYOND THE KERALA STORY

बियॉन्ड द केरल स्टोरी को मिली रिलीज़ डेट, 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

विपुल अमृतलाल शाह और सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड ने अपनी सबसे ज्यादा इंतेज़ार की जाने वाली फिल्म द केरल स्टोरी 2, जिसका आधिकारिक टाइटल बियॉन्ड द केरल स्टोरी है, की रिलीज़ डेट का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। यह फिल्म 27 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। एक बार फिर यह कहानी असली ज़िंदगी से जुड़ी सच्ची बातें दिखाती है। इसमें असली पीड़ितों की आवाज़, सबके सामने होते हुए भी छिपी सच्चाइयाँ और हमारे ही आसपास की कहानियाँ सामने आती हैं। नई कलाकारों को मुख्य किरदारों में लिया गया है, जिनका अभिनय बहुत सरल, सच्चा और भारत की ज़मीनी हकीकत से जुड़ा हुआ लगता है। सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड ने फिल्म की रिलीज़ डेट का ऐलान करते हुए एक मोशन पोस्टर शेयर किया। पोस्टर पर लिखा थाः उन्होंने कहा यह सिर्फ एक कहानी है। उन्होंने इसे चुप कराने की कोशिश की। उन्होंने इसे बदनाम करने की कोशिश की। लेकिन सच्चाई रुकी नहीं। क्योंकि कुछ कहानियाँ कभी खत्म नहीं होतीं। इस बार कहानी और गहराई तक जाती है। इस बार दर्द और भी ज़्यादा है। 2023 में रिलीज़ हुई द केरल स्टोरी ने पूरे देश में खूब चर्चा बटोरी थी और बेस्ट डायरेक्टर और बेस्ट सिनेमेटोग्राफी के लिए नेशनल अवॉर्ड भी जीता था। वहीं बियॉन्ड द केरल स्टोरी एक बार फिर मजबूत कहानी लेकर आने वाली है, जो कहानी और बड़े स्तर पर पहले से भी ज़्यादा असरदार होगी। हाल के समय में सबसे ज़्यादा चर्चा में रहने वाली फ्रेंचाइज़ में शामिल बियॉन्ड द केरल स्टोरी को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है और इसे 2026 की सबसे बड़ी सिनेमाघर रिलीज़ में से एक माना जा रहा है। इस बार यह फिल्म भारत के अलग-अलग हिस्सों की सच्ची कहानियों पर आधारित है। विपुल अमृतलाल शाह के बैनर सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड के तहत बनी बियॉन्ड द केरल स्टोरी का डायरेक्शन नेशनल अवॉर्ड विनर कामाख्या नारायण सिंह ने किया है और इसे आशीष ए शाह ने को-प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 27 फरवरी 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज़ होने वाली है।

दीपिका पादुकोण

ने अपने जन्मदिन पर लॉन्च किया 'द ऑनसेट प्रोग्राम'

नए टैलेंट को मिलेगा बड़ा मौका

एक्टर, प्रोड्यूसर और मानसिक स्वास्थ्य के लिए काम करने वाली दीपिका पादुकोण ने अपने जन्मदिन पर नई और युवा क्रिएटिव टैलेंट को आगे बढ़ाने के लिए एक पहल शुरू की है। सच्ची कहानियों और नए टैलेंट को आगे बढ़ाने की अपनी सोच को आगे बढ़ाते हुए, दीपिका ने आज 'द ऑनसेट प्रोग्राम' की शुरुआत का ऐलान किया। यह उनके क्रिएट विद मी प्लेटफॉर्म का अगला कदम है, जिसका मकसद ऐसे नए क्रिएटिव आर्टिस्ट्स को मौका देना है जो इंडियन फिल्म, टीवी और विज्ञापन की दुनिया में अपना करियर बनाना चाहते हैं, ऐसे में उनकी टैलेंट देखी जाए, सुनी जाए और सही मायनों में सामने आ सके इसलिए यह प्लेटफॉर्म बनाया गया है। यह प्रोग्राम जहां अच्छे और होनहार लोगों को सीखने के मौके देगा, वहीं उन लोगों के लिए भी आगे बढ़ने का मंच बनेगा जिनके पास अपने प्रोजेक्ट को संभालने का अनुभव और हुनर है। इसके पहले चरण में लिखना, निर्देशन, कैमरा, लाइट, एडिटिंग, साउंड, आर्ट, कपड़ों की डिज़ाइन, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप और प्रोडक्शन जैसे काम शामिल होंगे। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो शेयर करते हुए दीपिका ने कहा, 'पिछले एक साल से मैं देश और उसके बाहर से बेहतरीन क्रिएटिव टैलेंट को पहचानने और उन्हें देखने, सुनने और अनुभव करने का मंच देने को लेकर बहुत गहराई से महसूस कर रही हूं। द ऑनसेट प्रोग्राम के लॉन्च का ऐलान करते हुए मैं बेहद खुश हूं और अगली पीढ़ी के क्रिएटिव टैलेंट से आप सभी को मिलवाने का मुझे बेसब्री से इंतज़ार है। ' देश और विदेश से क्रिएटिव टैलेंट को पहचानने के अपने विज़न को आगे बढ़ाते हुए, दीपिका पादुकोण का द ऑनसेट प्रोग्राम अब https//onsetprogram.in/ पर देखा जा सकता है, जहां लोग अपना काम भेज सकते हैं और इंडस्ट्री के बेहतरीन लोगों के साथ काम करने का मौका पा सकते हैं।

खोसला का घोसला 2 में दिखाई देंगे रवि किशन, अनुपम खेर ने जताई खुशी

अभिनेता अनुपम खेर ने रवि किशन के साथ एक वीडियो साझा कर कहा कि आगामी फिल्म खोसला का घोसला 2 में किशन के शामिल होने से वह बेहद खुश, प्रसन्न और आनंदित हैं।खेर ने रविवार शाम इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि वह लापता लेडीज अभिनेता रवि किशन का काफी सम्मान करते हैं। हालिया फिल्म तन्वी द ग्रेट में दिखे खेर ने इस फिल्म के साथ निर्देशन में भी वापसी की है।खेर ने पोस्ट में लिखा, एक शानदार अभिनेता और नेक दिल इंसानः अपने बेहद प्रिय मित्र रवि किशन को खोसला का घोसला-2 में शामिल करते हुए काफी खुशी हो रही है। हमने बहुत पहले साथ काम किया था, लेकिन यह अनुभव बेहद खास होने वाला है। उन्होंने लिखा, मैं एक शानदार अभिनेता, मेहनती सांसद और सबसे बढक़र एक नेक दिल इंसान के रूप में रवि का काफी सम्मान करता हूं। शांत, विनम्र, मददगार, ईमानदार और भारत से गहरा प्रेम करने वाले देश भक्त। उनके साथ खुद को देखने के लिए काफी उत्सुक हूं। यह फिल्म वर्ष 2006 में रिलीज हुई खोसला का घोसला की अगली कड़ी है, जिसका निर्देशन दिवाकर बनर्जी ने किया था। उस फिल्म में अनुपम खेर ने कमल किशोर घोसला की भूमिका निभाई थी।

सुरभि चंदना

को सात समंदर पार भी सता रही मुंबई की याद

मुंबई सिर्फ एक शहर नहीं, बल्कि यहां रहने वालों के लिए एक एहसास है। जो एक बार मुंबई में रह लेता है, वह चाहे दुनिया के किसी भी कोने में चला जाए, इस शहर की याद उसे खींच ही लाती है। कुछ ऐसा ही लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री सुरभि चंदना के साथ हुआ। सात समंदर पार विदेश यात्रा पर गई सुरभि अपने शहर और खासतौर पर मुंबई के मशहूर वड़ा पाव को याद कर इमोशनल हो उठी, जिसकी झलक उन्होंने सोशल मीडिया पर भी साझा की। सुरभि चंदना ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक मजेदार वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह पिछले 15 दिनों से देश से बाहर हैं और अब उन्हें मुंबई की छोटी-छोटी चीजों की बहुत याद आने लगी है। इस वीडियो में सुरभि ने मजेदार अंदाज में दिखाया कि कैसे विदेश की शानदार जगहों और सुविधाओं के बीच रहते हुए भी उनका दिल मुंबई के ट्रैफिक, वड़ा पाव और सड़कों के गड्ढों तक को मिस कर रहा है।

हमारे प्लान करने से कुछ नहीं होता, जब समय आएगा मिलेगा

निमृत कौर

निमृत कौर ने कहा कि मेरा टेलीविजन से बॉलीवुड तक का सफर काफी अच्छा रहा है. अगर मैं अपने करियर के यात्रा की बात करु तो मैं साल 2019 में टीवी इंडस्ट्री में आई थी और हर साल मैंने अच्छा काम किया. मुझे काफी अच्छे अवसर भी मिले हैं। भोपाल इन दिनों बॉलीवुड की पहली पसंद बन चुका है. यहां आपको हर रोज कोई ना कोई फिल्म या सीरीज की शूटिंग होती हुई नजर आएगी। हाल ही में टीवी एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया भोपाल में अपनी आने वाली फिल्म की शूटिंग कर रही हैं. बता दें, निमृत जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। इस बात को लेकर उन्होंने से बात की और अपनी खुशी भी जाहिर की। निमृत ने कहा कि मेरा टेलीविजन से बॉलीवुड तक का सफर काफी अच्छा रहा है. अगर मैं अपने करियर के यात्रा की बात करु तो मैं साल 2019 में टीवी इंडस्ट्री में आई थी और हर साल मैंने अच्छा काम किया. मुझे काफी अच्छे अवसर भी मिले हैं। आने वाले समय और लंबे समय तक ईश्वर की कृपा मुझ पर रहेगी। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि हमारे प्लान करने से कुछ नहीं होता. मेरा मानना है कि आपका जब समय आना है तभी आपको वो मिलेगा जो आप चाहते हो. इसके अलावा साल 2025 में मुझे काफी अच्छे प्रोजेक्ट्स करने के मौका मिला. उसके लिए मैं खुद को लकी समझती हूं। इसके अलावा इस साल 2026 में भी काफी अच्छे प्रोजेक्ट्स रिलीज होने वाले हैं. मैं चाहती हूं को ऑडियंस को मेरा काम पसंद आए। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि आज सुबह से मेरी सिर्फ मम्मी से ही बात हुई है और मेरे लिए किसी त्यौहार पर घर से बाहर रहना कोई बड़ी बात नहीं है. क्योंकि मैं फौजी परिवार से आती हूं. क्योंकि बचपन से ये सब देखा है, पता नहीं चलता कि कब त्यौहार है कब नहीं है. बचपन में मैंने अपने पिताजी को भी ऐसे ही देखा है. उन्होंने भी बहुत से त्यौहार और बर्थडे मिस किए हैं। अब वो सब चीजें मेरे लिए भी कर रहे हैं।

मलाइका अरोड़ा

भस्त्रिका से लेकर भ्रामरी तक, कैसे ये प्राणायाम बदल सकते हैं आपकी सेहत

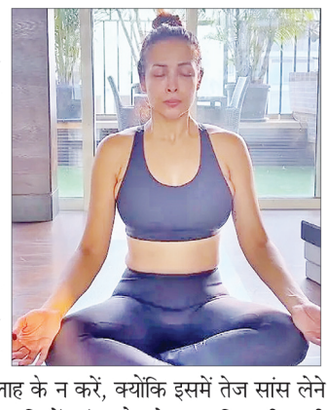

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा हमेशा अपनी फिटनेस के लिए जानी जाती है। वह अक्सर सोशल मीडिया पर फैंस के साथ हेल्दी लाइफस्टाइल, एक्सरसाइज और योग से जुड़ी जानकारी साझा करती रहती हैं। इस कड़ी में मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह प्राणायाम करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो में उन्होंने उन महत्वपूर्ण प्राणायामों का जिक्र किया जो तन और मन दोनों के लिए फायदेमंद होते हैं। उन्होंने कैप्शन में पांच प्रमुख प्राणायामों के नाम साझा किए। मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम पोस्ट में जिन पांच प्रमुख प्राणायाम का जिक्र किया, उनमें भस्त्रिका प्राणायाम, कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी और उद्गीथ शामिल हैं। ये सभी प्राणायाम वह वीडियो में करती नजर आ रही हैं, साथ ही इनके फायदों को भी बता रही हैं। भस्त्रिका प्राणायाम- भस्त्रिका प्राणायाम फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है, शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है और मानसिक तनाव को कम करता है। लेकिन ध्यान रहे कि हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग या सांस की समस्या वाले लोग इसे बिना डॉक्टर की सलाह के न करें, क्योंकि इसमें तेज सांस लेने से सिर में चक्कर, कमजोरी या सांस फूलने की समस्या हो सकती है। कपालभाति- कपालभाति में सांस जोर से बाहर निकाली जाती है, जिससे शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। यह पाचन सुधारता है, पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है और शरीर को ऊर्जा देता है। लेकिन पेट या डायफ्राम की समस्या वाले लोग, या गर्भावस्था के दौरान, यह अभ्यास न करें; इससे पेट या छाती में तकलीफ बढ़ सकती है। अनुलोम विलोम- अनुलोम विलोम में नाक से धीरे-धीरे सांस ली और छोड़ी जाती है। यह प्राणायाम मानसिक शांति, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता और नींद सुधारने में मदद करता है। लेकिन अगर किसी को सांस की समस्या, ब्लड प्रेशर या हृदय रोग है, तो बिना प्रशिक्षक की मदद के अनुलोम विलोम करना सही नहीं है। गलत तरीके से अभ्यास करने पर चक्कर, सांस फूलना या थकान हो सकती है। भ्रामरी- भ्रामरी में सांस छोड़ते समय भौंरे के गुंजन जैसी आवाज निकलती है। यह दिमाग को शांत करता है, सिरदर्द और मानसिक तनाव कम करता है। इसके फायदे अनेक हैं, लेकिन कान में समस्या, अत्यधिक शोर या सिर सिरदर्द होने पर इसे करने से नुकसान हो सकता है। तेज आवाज के साथ करना या बहुत ज्यादा देर तक करना सिरदर्द बढ़ा सकता है। उद्गीथ- उद्गीथ में गहरी सांस लेकर धीरे-धीरे आवाज के साथ छोड़ी जाती है। यह फेफड़ों को मजबूत करता है और मानसिक तनाव कम करता है। हालांकि, अगर किसी को सांस लेने में तकलीफ है या गले में समस्या है, तो उद्गीथ प्राणायाम करने से गले में जलन, खांसी, या सांस फूलने जैसी समस्या हो सकती है।

(साभार एजेंसी)

दौसा : गोल्ड कप ओपन चेस टूर्नामेंट का आयोजन, रुद्रांश पंचोली बने विजेता

दौसा, एजेंसी। जिला शतरंज संघ और कार्तिकेय चैस ऐकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में गोल्ड कप ओपन चैस टूर्नामेंट विजन क्लासेज आगरा रोड में हुआ। टूर्नामेंट को रुद्रांश पंचोली ने अविजीत रहते हुये 6 में से 5.5 अंक बनाकर जीता। उन्हें चमचमाती ट्रॉफी और एक साइकिल ईनाम में मिली। दूसरे स्थान पर आशीष छीपा रहे उन्हें एक मिक्सर जूसर और ट्रॉफी दी गई, उन्होंने 5 अंक बनाये। तीसरे स्थान पर धनञ्जय राजमिश्र रहे। उन्हे प्रेशर कुकर और ट्रॉफी मिली। इस टूर्नामेंट में एक रनिंग ट्रॉफी भी रखी गई है। जिसे तीन बार जीतने वाले खिलाडी को वह ट्रॉफी दी जायेगी। पूर्व में कुछ खिलाडी इसे एक-एक बार जीत चुके है। अन्य विजेताओं को भी आकर्षक गिफ्ट हेम्पर ट्रॉफी के साथ दी गई। टूर्नामेंट में बेहतर परिणाम अर्जित करने वाले कार्तिकेय चैस ऐकेडमी के खिलाडी शिवांश शर्मा मिक्सर जूसर और ट्रॉफी जीतकर दूसरे स्थान पर रहे। युवराज मीना को कोल्ड वाटर कैंपर और ट्रॉफी हासिल कर तीसरे स्थान पर रहे। दिव्यांश शर्मा को हॉट केस और ट्रॉफी ईनाम में मिली। इस टूर्नामेंट में 6 चक्र 20+10 के टाइम कंट्रोल से खेले गये। सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरुप मैडल दिया गया। अध्यक्ष कृष्णगोपाल शर्मा ने बताया कि टूर्नामेंट में प्रविष्टि केवल दौसा जिले के खिलाड़ियों को ही दी गई। टूर्नामेंट के चीफ अर्बीटर मुकेश गुर्जर रहे। पारितोषक के. जी. शर्मा, गणेश जैमन, समता मीना, कार्तिकेय जोशी, कमलेश भादूका, पंकज मिश्र ने वितरित किए।

मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर किए जाने पर बांग्लादेश नाराज़

- देश में आईपीएल के प्रसारण पर रोक

ढाका, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के 26 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करने के फैसले को लेकर बांग्लादेश में गहरा रोष देखने को मिल रहा है। इस फैसले से बांग्लादेशी क्रिकेट प्रशंसक दुखी, निराश और नाराज़ बताए जा रहे हैं। इन हालात के बीच बांग्लादेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। बांग्लादेश के सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अगले आदेश तक देश में सभी आईपीएल मैचों और उनसे जुड़े कार्यक्रमों का ब्रॉडकास्ट और टेलीकास्ट नहीं किया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, यह निर्णय मौजूदा हालात और जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। गौरतलब है कि मुस्तफिजुर रहमान को चयक्रसे रिलीज़ किए जाने का फैसला बीसीसीआई और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के निर्देशों के तहत लिया गया था।

जोकोविच का पीटीपीए से इस्तीफा

कहा- संगठन के साथ अब मेरे विचार और दृष्टिकोण मेल नहीं खाते

नई दिल्ली, एजेंसी । सर्बियाई के महान टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि उन्होंने 'प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन' से पूरी तरह से दूरी बना ली है। इस संस्था की स्थापना उन्होंने ही की थी। जोकोविच का कहना है कि संगठन में पारदर्शिता और संचालन को लेकर लगातार समस्याएं थीं। जोकोविच और कनाडाई टेनिस खिलाड़ी वासेक पोस्पिसिल ने प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन (पीटीपीए) की स्थापना एक नॉन-प्रॉफिट कॉर्पोरेशन के तौर पर की थी। ये प्रोफेशनल टेनिस के भविष्य को आकार देने में खिलाड़ियों की एक एकजुट, स्वतंत्र आवाज को सुनिश्चित करने के लिए की गई थी। जोकोविच ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, 'काफी सोच-विचार के बाद, मैंने प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन से पूरी तरह से अलग होने का फैसला किया है। यह फैसला पारदर्शिता, गवर्नेंस और जिस तरह से मेरी छवि को पेश किया गया है, उसे लेकर लगातार चिंताओं के बाद लिया गया है। पोस्ट में लिखा था, 'मुझे उस विजन पर गर्व है जो मैंने और वासेक ने पीटीपीए की स्थापना करते समय साझा

किया था, जिससे खिलाड़ियों को एक मजबूत, स्वतंत्र आवाज मिली - लेकिन यह साफ हो गया है कि मेरे मूल्य और दृष्टिकोण अब संगठन की मौजूदा दिशा से मेल नहीं खाते हैं। उन्होंने साफ किया कि अब वे अपने खेल, परिवार और टेनिस के विकास में अपने सिद्धांतों के अनुसार योगदान देने पर ध्यान देंगे। उन्होंने कहा, 'मैं अपने टेनिस, अपने परिवार और खेल में ऐसे तरीकों से योगदान देने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखूंगा जो मेरे सिद्धांतों और ईमानदारी को दर्शाते हैं। मैं खिलाड़ियों और इसमें शामिल लोगों को शुभकामनाएं देता हूं क्योंकि वे आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन मेरे लिए, यह अध्याय अब बंद हो गया है। मार्च 2025 में पीटीपीए और कई खिलाड़ियों ने एटीपी, डब्ल्यूटीए, आईटीएफ और आईटीआईए समेत अन्य संस्थाओं पर कानूनी कार्रवाई की थी, जिसे एटीपी और डब्ल्यूटीए ने खारिज कर दिया। उन पर कई एंटीट्रस्ट उल्लंघनों का आरोप लगाया गया। मुकदमे में कहा गया है कि खिलाड़ियों को अपनी मेहनत के अनुसार अधिक कमाई का अधिकार मिलना चाहिए। आरोप है कि चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों- विंबलडन, यूएस ओपन, फ्रेंच ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन, और अन्य पेशेवर टूर्नामेंटों का संचालन करने वाली संस्थाएं इनाम राशि पर सीमा तय करती हैं। इसके कारण खिलाड़ियों को मिलने वाली पुरस्कार राशि सीमित रह जाती है। साथ ही, इन संस्थाओं की नीतियों के चलते खिलाड़ी मैदान के बाहर भी अपनी कमाई बढ़ाने के अवसरों का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। दूसरी ओर, एटीपी और डब्ल्यूटीए ने इन सभी आरोपों को सख्ती से खारिज किया है।

जिम्बाब्वे को विश्व क्रिकेट में और सम्मान दिलाने में वर्ल्ड कप की होगी अहम भूमिका : सिकंदर रजा

केपटाउन, एजेंसी। कप्तान सिकंदर रजा का मानना है कि खराब दौर से जूझ रही जिम्बाब्वे टीम आगामी टी20 विश्व कप में दमदार प्रदर्शन के जरिये विश्व क्रिकेट में फिर अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकती है। जिम्बाब्वे को सात फरवरी से शुरू हो रहे टूर्नामेंट में ग्रुप बी में पूर्व चैम्पियन आस्ट्रेलिया और श्रीलंका के साथ रखा गया है जबकि आयरलैंड और ओमान भी इसी ग्रुप में हैं। पार्ल रॉयल्स और एमआई केपटाउन के बीच रविवार के मैच के बाद एसए20 द्वारा कराई गई बातचीत में रजा ने कहा, 'विश्व कप हर क्रिकेटर के जीवन में अहम है। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जिम्बाब्वे को विश्व क्रिकेट में और सम्मान पाना है तो विश्व कप की भूमिका अहम होगी। रजा ने एमआई केपटाउन पर सात विकेट से मिली जीत में रॉयल्स के लिये चार विकेट लिये। उन्होंने कहा ,'' हम ऐसा प्रदर्शन करना चाहते हैं कि अपना सिर ऊंचा रखकर लौट सके और अपने देशवासियों को भी गर्व महसूस करने का मौका दें।'' उन्होंने कहा, 'नतीजे हमारे हाथ में नहीं हैं लेकिन हम उनके बारे में ज्यादा चिंता नहीं करते। हमारा फोकस अच्छा क्रिकेट खेलने पर है और ऐसा करने पर नतीजे मिलेंगे।

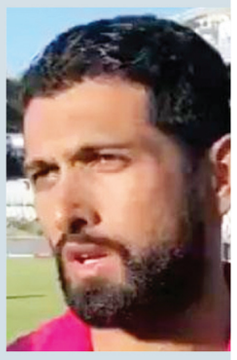

फुटबॉल की सबसे बड़ी जंग

क्या फीफा विश्वकप 2026 में भिड़ सकते हैं मेसी-रोनाल्डो? खेल नहीं, विरासत होगी दांव पर

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि शायद फुटबॉल के सबसे महान प्रतिद्वंद्विता का आखिरी अध्याय हो। मेसी बनाम रोनाल्डो, यह मुकाबला गोलों से कहीं आगे, विरासत और इतिहास की लड़ाई है। चाहे वे फाइनल में आमने-सामने हों या उससे पहले, एक बात तय है कि दुनिया की निगाहें एक बार फिर ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम पर टिकी होंगी, शायद आखिरी बार। लियोनल मेसी बनाम क्रिस्टियानो रोनाल्डो, सिर्फ ये नाम ही स्टेडियम खचाखच भर देने और करोड़ों फैंस को टीवी स्क्रीन से चिपका देने के लिए काफी हैं। यह प्रतिद्वंद्विता 2008 में आकार लेने लगी और 2009 में यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में अपने पहले शिखर पर पहुंची, जहां बार्सिलोना ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराया और मेसी ने बाजी मारी। इसके बाद जब रोनाल्डो रियल मैड्रिड पहुंचे, तो एल क्लासिको फुटबॉल का सबसे बड़ा मंच बन गया। 2018 तक दोनों खिलाड़ी लगभग हर सीजन आमने-सामने आए, कई बार एक ही साल में तीन से ज्यादा मुकाबले हुए। इस दौर में दोनों ने एक-दूसरे को लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया और फुटबॉल को कला, ताकत और गोलों की बारिश का संगम बना दिया। मेसी और रोनाल्डो ने मिलकर एक दशक से ज्यादा समय तक विश्व फुटबॉल पर राज किया। मेसी ने सात बैलन डी'ओर जीते, जबकि रोनाल्डो के नाम पांच बैलन डी'ओर हैं। यह आंकड़े सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धियां

नहीं, बल्कि उस दौर की पहचान हैं जब फुटबॉल दो ध्रुवों के इर्द-गिर्द घूमता था। आज दोनों यूरोपीय फुटबॉल की पारंपरिक चमक से दूर हैं, मेसी अमेरिका में इंटर मियामी के लिए खेल रहे हैं, जबकि रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में अल नास्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। आमतौर पर ऐसे बदलाव को करियर के ढलान के रूप में देखा जाता है, लेकिन इन दोनों ने उम्र को चुनौती देते हुए यह साबित किया कि क्लास स्थायी होती है।

क्या 2026 आखिरी विश्व कप होगा?

अब नजरें फीफा वर्ल्ड कप 2026 पर टिकी हैं, जो शायद वह आखिरी मंच हो सकता है, जहां दोनों दिग्गज एक साथ किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में दिखें। मेसी अपने वर्ल्ड कप भविष्य को लेकर रहस्य बनाए हुए हैं, जबकि रोनाल्डो साफ कह चुके हैं कि संन्यास दूर नहीं। ऐसे में 2026 को एक युग के अंत के रूप में देखा जा रहा है।

क्या अर्जेंटीना और पुर्तगाल को अब भी इनकी जरूरत है?

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में मेसी और रोनाल्डो अब भी अपनी-अपनी टीमों की रीढ़ बने हुए हैं। मेसी ने 2023 में आठ मैचों में आठ गोल किए, 2024 में 11 मैचों में छह गोल दागे और उसी साल अर्जेंटीना को दूसरा कोपा अमेरिका जिताने में मदद की। 2025 में उन्होंने पांच मैचों में तीन गोल जोड़े। वहीं, रोनाल्डो ने 2023 में पुर्तगाल के लिए नौ मैचों में 10 गोल किए, 2024 में 12 मैचों में सात गोल जड़े और 2025 में नौ मुकाबलों में आठ गोल कर अपनी निरंतरता बनाए रखी। युवा सितारों के उभरने के बावजूद दोनों सुपरस्टार अब भी निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी:

चोटिल शार्दुल ठाकुर बाहर, श्रेयस अय्यर बने मुंबई के नए कप्तान

मुंबई, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को शेष विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबलों के लिए मुंबई टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। नियमित कप्तान शार्दुल ठाकुर चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं, जिसके बाद मुंबई चयन समिति ने यह फैसला लिया। शार्दुल ठाकुर की चोट की प्रकृति का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें आराम की सलाह दी गई है। मुंबई के मुख्य चयनकर्ता संजय पाटिल ने बताया, 'शार्दुल चोटिल हैं और उन्हें विश्राम की सलाह दी गई है। हमारे पास शिवम दुबे और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी उपलब्ध हैं, लेकिन शेष मैचों के लिए श्रेयस अय्यर को कप्तान बनाया गया है।'

लंबे समय बाद वापसी कर रहे हैं श्रेयस अय्यर

श्रेयस अय्यर खुद भी लंबे समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौट रहे हैं। अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेले गए तीसरे वनडे के दौरान उन्हें स्प्लीन में गंभीर चोट और आंतरिक रक्तस्राव हुआ था, जिसके चलते वह लंबे समय तक मैदान से बाहर रहे।

फिटनेस पर निर्भर रहेगी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धता

फिटनेस के अधीन अय्यर को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भी टीम इंडिया में शामिल किया गया है। यह सीरीज 11 जनवरी से वडोदरा में शुरू होगी, जबकि अन्य दो मुकाबले 14 जनवरी (राजकोट) और 18 जनवरी (इंदौर) में खेले जाएंगे। अय्यर फिलहाल भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान भी हैं।

ग्रुप मैचों में करेंगे मुंबई का नेतृत्व

मुंबई क्रिकेट संघ के सचिव डॉ. उन्मेष खानविलकर ने आधिकारिक बयान में कहा, 'शार्दुल ठाकुर चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं। उनकी अनुपस्थिति में श्रेयस अय्यर मुंबई टीम की कप्तानी संभालेंगे।' अय्यर मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के खिलाफ ग्रुप ष मैच में टीम की अगुआई करेंगे, इसके बाद 8 जनवरी को मुंबई का सामना पंजाब से होगा।

एशेज सिडनी टेस्ट:

जो रूट का शतक फीका, दूसरे दिन हेड की नाबाद 91 से ऑस्ट्रेलिया की वापसी

एशेज 2025-26 के पांचवें टेस्ट के दूसरे दिन जो रूट ने अपना 41वां टेस्ट शतक जड़ते हुए एक बार फिर इंग्लैंड को संभालने की कोशिश की, लेकिन दिन का खेल खत्म होते-होते मुकाबले की दिशा बदल गई। रूट की 160 रन की शानदार पारी के बावजूद इंग्लैंड की टीम सिडनी टेस्ट पर अपनी पकड़ बनाए रखने में नाकाम रही। तीसरे सत्र में ट्रैविस हेड की आक्रामक बल्लेबाजी ने इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेल दिया।

इंग्लैंड 384 पर सिमटी, रूट को नहीं मिला साथ

दिन की शुरुआत इंग्लैंड ने 211/3 से की, लेकिन हैरी ब्रूक जल्दी आउट हो गए। ब्रूक ने 97 गेंदों में 84 रन बनाए और रूट के साथ चौथे विकेट के लिए 171 रन की अहम साझेदारी की। कप्तान बेन स्टोक्स बल्ले से नाकाम रहे और मिशेल स्टार्क की गेंद पर बिना खाता खोले आउट हुए। यह 14वीं बार था जब स्टार्क ने स्टोक्स को आउट किया। जेमी स्मिथ ने 46 रन बनाए, जबकि विल जैक्स और ब्रायडन कार्स बड़ी पारी नहीं खेल सके। रूट 242 गेंदों में 160 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड की पूरी टीम 97.3 ओवर में 384 रन पर ढेर हो गई।

हेड का तूफान, ऑस्ट्रेलिया ने तेज़ी से घटाया अंतर

जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत में जेक वेदराल्ड को स्टोक्स ने आउट किया, लेकिन दूसरे छोर से ट्रैविस हेड ने इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। हेड ने सिर्फ 55 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उनके साथ मार्नस लाबुशेन ने 48 रन बनाए और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी हुई। लाबुशेन को स्टोक्स ने आउट किया, लेकिन हेड का आक्रमण जारी रहा।

बारिश ने रोका खेल, हेड 91 पर नाबाद

माइकल नेसर नाइटवॉचमैन के रूप में क्रीज पर आए और एक गेंद हाथ पर लगने के बाद उन्हें मेडिकल ट्रीटमेंट भी लेना पड़ा। खराब रोशनी और बारिश के कारण दूसरे दिन का खेल आगे नहीं बढ़ सका। स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 166 रन बना लिए थे। ट्रैविस हेड 87 गेंदों में 91 रन बनाकर नाबाद लौटे, जिसमें 15 चौके शामिल थे। ऑस्ट्रेलिया अब भी 218 रन पीछे है, लेकिन उनके पास आगे मजबूत बल्लेबाजी क्रम मौजूद है।

आंख दिखा रहा था पाकिस्तानी गेंदबाज, कीरोन पोलार्ड ने उतार दी गर्मी!

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान कीरोन पोलार्ड की पहचान एक खतरनाक बल्लेबाज के रूप में की जाती है. अगर पोलार्ड लय में हों, तो दुनिया के किसी भी गेंदबाज को अपने सामने नहीं टिकने देते हैं. मैदान पर पोलार्ड सिर्फ बल्लेबाजी ही नहीं, बल्कि अपने गर्म तेवर के लिए भी जाने जाते हैं. पोलार्ड को बिल्कुल पसंद नहीं कि कोई गेंदबाज उनके ध्यान को भंग करे. ऐसा ही कुछ इंटरनेशनल टी20 लीग के चौथे सीजन के फाइनल में देखने को मिला, जब डेजर्ट वाइपर के तेज गेंदबाज नसीम शाह से उनकी भिड़ंत हो गई.

ILT20 के फाइनल में पोलार्ड और नसीम के बीच हुई झड़प

इंटरनेशनल टी20 लीग के फाइनल मुकाबले में एमआई एमिरेट्स के कप्तान कीरोन पोलार्ड अपने लय में नहीं दिख रहे थे और उनके सामने गेंदबाजी करते हुए डेजर्ट वाइपर के तेज गेंदबाज नसीम शाह बार-बार आंख दिखा रहे थे. इसके तुरंत बाद, कीरोन पोलार्ड ने अपना गुस्से वाला रूप दिखाते हुए पाकिस्तानी गेंदबाज को वार्निंग दे डाली. जिसके बाद, नसीम भी कहां मानने वाले थे, चले गए पोलार्ड से भिड़ने, लेकिन एमआई के कप्तान ने जैसे ही आंख दिखाई पाकिस्तानी गेंदबाज की गर्मी उतर गई. इसके बाद, अंपायर ने दोनों खिलाड़ियों को शांत कराते हुए अलग कराया, तब जाकर खेल आगे बढ़ सका.

फाइनल में कैसी रही थी नसीम शाह की गेंदबाजी?

नसीम शाह ने ILT20 के फाइनल मुकाबले में दमदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में महज 18 रन देकर 3 विकेट अपने नाम करने में सफल रहे. इसमें पोलार्ड का भी विकेट शामिल है. पोलार्ड एमआई एमिरेट्स के लिए खेलते हुए 28 गेंद में 28 रन बनाकर आउट हुए. नसीम शाह की इस दमदार प्रदर्शन के चलते डेजर्ट वाइपर की टीम फाइनल मुकाबले में खिताबी जीतने में सफल रही.

बांग्लादेश में जो कुछ भी हुआ वह गलत है, बीसीबी के भारत से टी20 WC शिफ्ट करने के अनुरोध पर बोले हरभजन

दुबई : पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल से 2026 पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के मैचों को सुरक्षा कारणों से भारत से हटाकर दूसरी जगहों पर करवाने की औपचारिक रिक्वेस्ट पर कमेंट किया है। हरभजन ने कहा कि भारत सभी टीमों का स्वागत करता है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय जमीन पर खेलना है या नहीं, यह आखिर में बांग्लादेश का फैसला होगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने आगे इस बात पर जोर दिया कि ICC को उनके अनुरोध पर फैसला लेना होगा। बीसीबी ने 2026 टी 20 वर्ल्ड कप के लिए भारत न आने का कारण बांग्लादेश टीम की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं को बताया, जिसे भारत और श्रीलंका मिलकर होस्ट करने वाले हैं। हरभजन सिंह ने हद्ध से बात करते हुए कहा, 'पिछले कुछ दिनों में हुई अलग-अलग घटनाओं के कारण बांग्लादेश भारत नहीं आना चाहता। बांग्लादेश में जो कुछ भी हुआ वह गलत है। उनके अनुरोध पर फैसला लेना होगा। हम भारत में सभी का स्वागत करते हैं, लेकिन वे (बांग्लादेश) यहां आना चाहते हैं या नहीं, यह उनकी मर्जी है।' यह घटनाक्रम कोलकाता नाइट राइडर्स की उस घोषणा के बाद हुआ है जिसमें उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हुए अत्याचारों के संबंध में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के निर्देश के जवाब में बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को चयक्रने अपनी IPL 2026 टीम से हटा दिया था। चयक्रका यह फैसला BCCI सचिव देवाजीत सैकिया के बयान के बाद आया जिसमें उन्होंने कहा था कि शीर्ष क्रिकेट बोर्ड ने IPL फ्रेंचाइजी को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 'हाल के घटनाक्रमों के कारण' रिलीज करने का निर्देश दिया था। मुस्तफिजुर को पिछले साल मिनी ऑक्शन में चयक्रने IPL 2026 सीजन के लिए चुना था। तीन बार की चैंपियन टीम ने इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था।

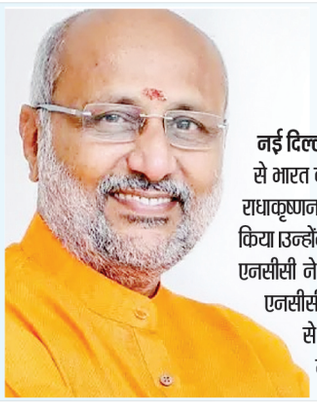

ऑपरेशन सिंदूर से सशस्त्र बलों ने दुनिया के सामने भारत की दृढ़ता का प्रदर्शन किया : राधाकृष्णन

नई दिल्ली, (भाषा)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को कहा कि सशस्त्र बलों ने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत को गौरवान्वित किया। दिल्ली छावनी में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर 2026 में अपने संबोधन में राधाकृष्णन ने कहा कि बलों ने सैन्य कार्वाई को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए दुनिया के सामने देश के संकल्प और दृढ़ता का प्रदर्शन किया।उन्होंने अभियान के दौरान एनसीसी के प्रशंसनीय योगदान की भी सराहना की।उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एनसीसी ने सराहनीय योगदान दिया, जब लगभग 72,000 एनसीसी कैडेट नागरिक सुरक्षा उपायों के लिए स्वेच्छा से सेवाएं देकर एनसीसी योद्धा बन गए। अधिकारियों के अनुसार, इन कैडेटों ने आपातकालीन अभ्यास, रक्तदान शिविरों और नागरिक सुरक्षा से संबंधित अन्य गतिविधियों में सहायता की। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सात मई, 2025 की सुबह ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया जिसमें पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में कम से कम 100 आतंकवादियों को मार गिराया गया।

पुणे को भारी वित्तीय सहायता मिली लेकिन सार्थक विकास नहीं हुआ: अजित पवार

पुणे, (भाषा)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने दावा किया है कि पुणे को केंद्र और राज्य से भारी वित्तीय सहायता प्राप्त हुई, लेकिन स्थानीय नेता इसका इस्तेमाल शहर के सार्थक विकास के लिए करने में विफल रहे। पवार ने पुणे नगर निगम (पीएमसी) के चुनावों से पहले रविवार को बनेर क्षेत्र में एक रैली में कहा कि इस विफलता ने शहर के नेतृत्व में बदलाव की आवश्यकता को रेखांकित किया है। पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना राज्य में महायुति गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन पीएमसी समेत 29 नगर निगमों में अलग-अलग चुनाव लड़ रहे हैं। पानी की आपूर्ति की कमी, कूड़े का ढेर, सड़कों पर गड्ढे, भारी यातायात और शहर में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति जैसे मुद्दों का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि इन समस्याओं को हल करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है।

सरकारी आदेश में घंटा विवाद के जिक्र पर एसडीएम निलंबित

इंदौर/देवास, (भाषा)। मध्यप्रदेश के इंदौर की दूषित पेयजल त्रासदी की पृष्ठभूमि में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की एक विवादास्पद टिप्पणी और कांग्रेस के आरोपों का एक सरकारी आदेश में कथित रूप से जिक्र करने की गंभीर चूक को लेकर पड़ोसी देवास के एक अनुविभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) निलंबित कर दिए गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उज्जैन संभाग के आयुक्त (राजस्व) आशीष सिंह ने पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही, उदासीनता और अनियमितता के आरोपों में रविवार को देवास के एक एसडीएम को निलंबित कर दिया है। उन्होंने बताया कि एसडीएम ने देवास में कांग्रेस के रविवार को आयोजित एक विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अधीनस्थ राजस्व अधिकारियों की ड्यूटी लगाने के लिए शनिवार को सरकारी आदेश जारी किया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, एसडीएम के जारी इस आदेश में कांग्रेस के उस ज्ञापन के एक हिस्से की हू-ब-हू नकल उतार दी गई थी जो प्रमुख विपक्षी दल ने विरोध प्रदर्शन की पूर्व सूचना के लिए प्रशासन को दिया था। यह गंभीर लापरवाही है।

सोमनाथ मंदिर भारतीय सभ्यता की अदम्य भावना का प्रतीक: प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विदेशी आक्रमणकारियों के बार-बार हमलों के बाद पुनर्निर्मित किए गए सोमनाथ मंदिर की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि गुजरात स्थित यह मंदिर भारतीय सभ्यता की अदम्य भावना का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के1,000 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में एक ब्लॉग पोस्ट में कहा, हमारी सभ्यता की अदम्य भावना का सोमनाथ से बेहतर कोई उदाहरण नहीं हो सकता। यह मंदिर बाधाओं एवं संघर्षों पर विजय प्राप्त करते हुए गौरव के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल

» यह मंदिर बाधाओं एवं संघर्षों पर विजय प्राप्त करते हुए गौरव के साथ खड़ा है

नेहरू पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि नेहरू 1951 में मंदिर के उद्घाटन से अधिक उत्साहित नहीं थे। मोदी ने कहा कि 2026 सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के1,000 वर्ष पूरे होने का गवाह है और इसके बाद हुए बार-बार के हमलों के बावजूद यह मंदिर आज भी गर्व से खड़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसा इसलिए है क्योंकि सोमनाथ की गाथा भारत माता की उन अनगिनत संतानों के अटूट साहस की कहानी है, जिन्होंने हमारी संस्कृति और सभ्यता की रक्षा की। उन्होंने कहा कि यही भावना आज राष्ट्र में भी दिखाई दे रही है, जो सदियों के आक्रमणों और औपनिवेशिक लूट से उबरकर वैश्विक विकास के सबसे चमकते केंद्रों में से एक बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वह हमारे नवोन्मेषी युवाओं में निवेश करना चाहती है। उन्होंने कहा, हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी 11 जनवरी को सोमनाथ मंदिर जाएंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के सोमनाथ मंदिर का 11 जनवरी को दौरा करेंगे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर सोमनाथ में वर्षभर गतिविधियां आयोजित किए जाने की योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि आठ से 11 जनवरी तक सोमनाथ में अनेक आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियां होंगी।

हरियाणा की हर सरकारी योजना में अनियमितताएं: सुरजेवाला

चंडीगढ़,(भाषा)। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि हरियाणा में भाजपा सरकार के तहत भ्रष्टाचार में तेजी से वृद्धि हुई है और राज्य में हर सरकारी योजना अनियमितताओं से घिरी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए, कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में भ्रष्टाचार के मामलों में पिछले पांच वर्षों में 78.48 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे यह देश का सातवां सबसे भ्रष्ट राज्य बन गया है। कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि भ्रष्टाचार से व्यथित होकर राज्य के 74 वर्षीय एक व्यक्ति ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर इच्छामृत्यु की अनुमति मांगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा में लगभग हर सरकारी योजना अनियमितताओं से घिरी है और राज्य सरकार धोखाधड़ी तथा खनन माफिया सहित विभिन्न माफियाओं के उदय, पेपर लीक होने के मामलों और मादक पदार्थों के प्रसार के लिए जिम्मेदार है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा नेताओं को निशाना बनाते हुए उन्होंने कहा कि उनके वादे खोखले निकले और हरियाणा के लोग रोजाना भ्रष्टाचार तथा कुशासन का खामियाजा भुगत रहे हैं।

बंगाल की जनता ने एसआईआर को आशा की किरण के रूप में देखा: शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता, (भाषा)। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को निडरतापूर्वक जारी रखने का आग्रह किया। यह पत्र मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा दो दिन पहले इस प्रक्रिया को रोकने की मांग किए जाने के बाद लिखा गया है।अधिकारी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री द्वारा एसआईआर को रोकने का आह्वान हार स्वीकार करने से कम नहीं है और यह उनके कार्यकाल की पहचान बने चुनावी कदाचार को जारी रखने की एक शर्मनाक कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि बनर्जी की शिकायतों की लंबी सूची न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि निर्वाचन आयोग को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताकर बदनाम करने और आम लोगों के बीच परेशान होने तथा मताधिकार से वंचित किए जाने की झूठी कहानी गढने की जुगत है। एक्स पर साझा किए गए पत्र में अधिकारी ने दावा किया, इसके विपरीत, पश्चिम बंगाल की जनता ने एसआईआर को आशा की किरण के रूप में देखा है।

एक लाख रुपए का इनामी अंतरराज्ईय अपराधी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

गुरुग्राम,(भाषा)।गुरुग्राम और नूंह पुलिस की संयुक्त टीम ने एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद एक अंतरराज्ईय अपराधी को गिरफ्तार कर लिया जिसके सिर पर एक लाख रुपए का इनाम था। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अपराधी याद राम (50) पर हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में हत्या के प्रयास और लूट सहित लगभग दो दर्जन अपराध का आरोप है। पुलिस के मुताबिक उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत भी कुछ मामले दर्ज हैं।पुलिस ने कहा कि उत्तर प्रदेश के औरैया जिले का मूल निवासी राम राजस्थान के जयपुर में रह रहा था।

मुंबई का महापौर वंदे मातरम बोलने वाला मराठी मानुष होगा : शाइना एनसी

मुंबई, (भाषा)। शिवसेना प्रवक्ता शाइना एनसी ने सोमवार को कहा कि मुंबई का महापौर वह होगा, जो मराठी मानुष होगा और वंदे मातरम बोलेगा। पीटीआई वीडियो से बातचीत में शायना एनसी ने कहा कि महायुति की राजनीति मुंबई पहले के सिद्धांत पर आधारित है। उन्होंने कहा, मुंबई का महापौर वही होगा, जो वंदे मातरम बोलेगा। महायुति का महापौर वही होगा, जो शहर से प्रेम करता हो और उसके विकास की कामना करता हो तथा वह एक मराठी मानुष भी हो।

» महायुति की राजनीति मुंबई पहले के सिद्धांत पर आधारित है

महायुति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), एकनाथ शिंदे की शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं। हालांकि, अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) चुनाव अलग से लड़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में कड़ाके की सर्दी अनेक इलाकों में घना कोहरा

जयपुर, (भाषा)। राजस्थान के अधिकतर इलाकों में कड़ाके की सर्दी पड़ रही है और सोमवार सुबह कई जगह घना कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तापमान में और गिरावट आने तथा घना कोहरा छाए रहने का अनुमान व्यक्त किया है। मौसम केंद्र जयपुर ने सोमवार सुबह बताया कि बीते चौबीस घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर मध्यम से घना कोहरा दर्ज किया गया। इस दौरान कहीं कहीं शीत दिन और अति शीतदिन दर्ज किया गया। इस दौरान न्यूनतम तापमान वनस्थली में 4.1 डिग्री सेल्सियस, सिरोही, दौसा व गंगानगर में 5.4 डिग्री, सीकर में 5.5 डिग्री, पाली में 5.6 डिग्री और अजमेर में 5.8 डिग्री सेल्सियस रहा। राजधानी जयपुर के कई इलाकों में सुबह धुंध छाई रही। बीकानेर, कोटा तथा उदयपुर संभाग में अनेक जगह घना कोहरा छाया रहा। तापमान में गिरावट और धूप नहीं निकलने के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। राजमार्ग पर वाहन धीमी गति से चलते दिखे। लोग सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। प्रशासन ने शहरों में कई जगह रैन बसेरे बनाए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहेगा। इस दौरान न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री की और गिरावट आ सकती है। कुछ भागों में शीतलहर चलेगी। वहीं अनेक इलाकों में सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

जम्मू कश्मीर के राजौरी में एलओसी के पास पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित

राजौरीजम्मू, (भाषा)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्थापित किया गया है, जिससे सीमावर्ती इलाकों में प्रामाणिक सूचना के प्रसार को मजबूती मिलेगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, रेडियो संगम नामक यह स्टेशन भारतीय सेना द्वारा नागरिक प्रशासन और स्थानीय लोगों के सहयोग से केरी गांव में स्थापित किया गया है, जो एलओसी से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। उन्होंने बताया कि यह एलओसी पर स्थापित पहला सामुदायिक रेडियो स्टेशन है, जिसका उद्देश्य सीमा पार से किए जाने वाले दुष्प्रचार और गलत सूचना का मुकाबला करना, साथ ही प्रामाणिक सूचनाओं के प्रसार और स्थानीय मुद्दों को उठाने के लिए एक विश्वसनीय मंच उपलब्ध कराना है। अधिकारियों ने कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर होने के कारण इस स्टेशन का प्रसारण एलओसी के उस पार के इलाकों में भी सुना जा सकता है।इस रेडियो स्टेशन का उद्घाटन राजौरी के उपायुक्त अभिषेक शर्मा ने नागरिक समाज के सदस्यों, नागरिक प्रशासन के अधिकारियों और स्थानीय लोगों की उपस्थिति में किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि यह स्टेशन सामाजिक जागरुकता और जनभागीदारी को बढ़ावा देगा, स्थानीय आवाज़ों को मजबूती देगा और प्रशासन तथा सीमावर्ती निवासियों के बीच संपर्क को सुदृढ़ करेगा, साथ ही एलओसी के उस पार से होने वाले दुष्प्रचार का भी मुकाबला करेगा।

बेंगुलरु में शोभायात्रा पर पथराव के बाद स्थिति तनावपूर्ण

बेंगलुरु, (भाषा)। बेंगलुरु के जगजीवन राम नगर में एक शोभायात्रा पर उपद्रवियों द्वारा पथराव किए जाने के बाद स्थिति तनावपूर्ण, किन्तु नियंत्रण में है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।रविवार रात शोभायात्रा पर हुए हमले में दो महिलाएं घायल हो गईं। घटना के बाद निवासियों ने दोषियों के खिलाफ कार्वाई की मांग को लेकर जगजीवन राम नगर थाने के सामने प्रदर्शन किया।पुलिस ने बताया कि सोमवार को आक्रोशित लोगों की ओर से जवाबी कदम उठाए जाने की आशंका के मद्देनजर जगजीवन राम नगर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी इलाके में ही मौजूद हैं और घटना में शामिल उपद्रवियों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।वीएस गार्डन निवासी शशिकुमार एन की शिकायत के आधार पर पुलिस ने रविवार देर रात प्राथमिकी दर्ज की। शिकायत के अनुसार, यह घटना रात करीब सवा आठ बजे से नौ बजे के बीच हुई, जब श्रद्धालु इलाके में शोभायात्रा निकाल रहे थे।शिकायतकर्ता ने बताया कि वह पिछले 23 वर्षों से ओम शक्ति और अय्यप्पा स्वामी की पूजा में भाग ले रहे हैं और परंपरा के तहत ओम शक्ति की माला पहनकर तथा सिर पर इरुमुडी रखकर शोभायात्रा में शामिल होते हैं। इरुमुडी कपड़े में बंधी दो पोटलियों का बंडल होता है जिसमें से एक में पूजा-सामग्री, नारियल, चावल, दीपक आदि होते हैं, जबकि दूसरी में श्रद्धालु की व्यक्तिगत जरूरत की चीजें रहती हैं।

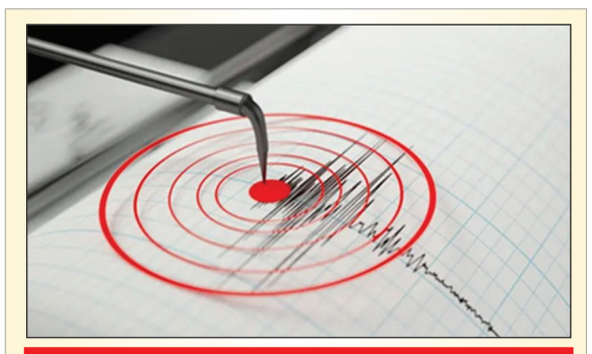

असम में 5.1 तीव्रता का भूकंप, दो लोग घायल

गुवाहाटी,मोरीगांव, (भाषा)। असम के मध्य भाग में सोमवार तड़के 5.1 तीव्रता का भूकंप आया और इससे जुड़ी घटनाओं से दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।अधिकारियों ने बताया कि भूकंप मोरीगांव जिले में सुबह चार बजकर 17 मिनट पर 50 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया।भूकंप से मोरीगांव जिले में कुछ घरों को मामूली नुकसान पहुंचा।उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर के लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। अधिकारियों ने बताया कि मध्य-पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश, मेघालय के अलावा नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा तथा उत्तरी पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए।खबरों के अनुसार, मध्य-पूर्वी भूटान के साथ ही बांग्लादेश और चीन के कुछ हिस्सों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।भूकंप के झटके महसूस किए जाने के बाद लोग अपने घरों से बाहर निकल गए और खुले इलाकों की ओर जाने के लिए मजबूर हो गए।यहां एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घरों से बाहर की ओर भागते समय मोरीगांव में कुछ लोग घायल हो गए और उनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है।असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि घर से बाहर की ओर भागते समय मिकिरभेटा क्षेत्र के ना दलबोरी गांव निवासी जॉयमोती देवरी (80) के सिर में गहरी चोट लग गई। उन्होंने बताया कि देवरी का परिवार उन्हें तत्काल मोरीगांव अस्पताल ले गया जहां उनका इलाज किया जा रहा है। जिला जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) एस. बुरगोहेन ने बताया कि इसी गांव के मनोज कुमार भी घायल हो गए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर है।उन्होंने कहा कि भूकंप के बाद नगांव और मोरीगांव जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में कुछ आवासीय इकाइयों में दरारें दिखाई दे रही थीं। हालांकि, बुरगोहेन ने कहा कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं दी गई है। पूर्वोत्तर क्षेत्र उच्च भूकंपीय क्षेत्र में आता है, जिससे यह भूकंप के लिहाज से संवेदनशील है।

नई शिक्षा नीति संघीय व्यवस्था के खिलाफ: डेरेक ओ ब्रायन

कोलकाता, (भाषा)। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने आईसीएसई-आईएससी स्कूल के प्रधानाचार्यों से एकजुट होकर नई शिक्षा नीति (एनईपी) का विरोध करने का सोमवार को आह्वान किया और आरोप लगाया कि यह नीति संघीय ढांचे के खिलाफ है एवं राज्यों या प्रमुख हितधारकों से परामर्श किए बिना तैयार की गई। स्कूल प्रमुखों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए ओ ब्रायन ने कहा कि नई शिक्षा नीति ने भारत के संघीय ढांचे को कमजोर कर दिया है क्योंकि इसे तैयार किए जाने के दौरान किसी भी राज्य से परामर्श नहीं किया गया। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और कर्नाटक सहित कई राज्यों की अपनी-अपनी राज्य शिक्षा नीतियां हैं। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में 2023 में राज्य शिक्षा नीति लागू की, जबकि तमिलनाडु की नीति और कर्नाटक की मसौदा नीति 2025 में जारी की गई। उन्होंने कहा कि हितधारकों के साथ परामर्श की कमी के कारण स्कूलों के लिए एनईपी से जुड़ी परियोजनाओं का कार्यान्वयन मुश्किल हो गया है। ओ ब्रायन भारत में एंग्लो-इंडियन स्कूलों के प्रधानाध्यापकों के संघ के 103वें वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम कोलकाता के ला मार्टिनियर गर्ल्स स्कूल में आयोजित किया गया, जिसमें 3,000 से अधिक आईसीएसई-आईएससी स्कूलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अल्पसंख्यक-संचालित शैक्षणिक संस्थानों के प्रशासन के मुद्दे पर, तृणमूल कांग्रेस नेता ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 30 अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन का अधिकार देता है लेकिन यह एनईपी की केंद्रीकरण प्रवृत्ति से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हो रहा है।

राजस्थान में सड़क हादसों में छह लोगों की मौत, 14 घायल

जयपुर, (भाषा)। राजस्थान में दो अलग-अलग सड़क हादसों में छह लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी।पुलिस के अनुसार रविवार देर रात जालोर जिले में राजमार्ग पर स्लीपर बस पलटने से एक बुजुर्ग दंपत्ति समेत तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 12 से ज्यादा यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।यह हादसा आहोर थाना इलाके में हुआ जहां निजी बस सांचौर से करौली जा रही थी। पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकराकर पलट गई। हादसे के समय ज्यादातर यात्री सो रहे थे।स्थानीय लोगों और पुलिस ने अंदर फंसे लोगों को बस के शीशे तोड़कर बाहर निकाला। मृतकों में सांचौर के रहने वाले फगलूराम (75) और उनकी पत्नी हाउ देवी (65) शामिल हैं। वे अजमेर जा रहे थे। भरतपुर के एक और यात्री अमृतलाल की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।वहीं सीकर जिले में एक हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। यह हादसा सोमवार तड़के रींगस-खाटूश्यामजी रोड पर कार और यात्री वाहन की टक्कर में हुआ। दो अन्य घायल हो गए। यह हादसा लांपुवा गांव के पास हुआ।

टुकड़े-टुकड़े गैंग का समर्थन करने के लिए कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए: भाजपा

नई दिल्ली,(भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कहा कि 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में आरोपियों उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार करने का उच्चतम न्यायालय का आदेश कांग्रेस के मुंह पर एक करारा तमाचा है। साथ ही पार्टी ने विपक्षी दल से टुकड़े-टुकड़े गैंग का समर्थन करने के लिए माफी मांगने को कहा। भाजपा ने खालिद और इमाम को भारत में विभाजनकारी ताकतों के पोस्टर ब्वॉय बताते हुए दावा किया कि उन्हें बचाने के लिए कांग्रेस का पूरा तंत्र उन्हें निर्दोष पीड़ित के रूप में पेश कर रहा है। उच्चतम न्यायालय ने

2020 के दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले में खालिद और इमाम को जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया और कहा कि उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने इस मामले में हालांकि अन्य आरोपियों गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को जमानत दे दी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने उच्चतम न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, सत्यमेव जयते। उन्होंने कहा, उच्चतम न्यायालय ने कार्यकर्ताओं उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार कर दिया। आरोप प्रथम दृष्टया सही हैं। पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस को अफजल से लेकर उमर और शरजील तक टुकड़े-टुकड़े गैंग का समर्थन करने के लिए माफी मांगनी चाहिए।भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने शीर्ष अदालत के फैसले को राहुल गांधी और कांग्रेस के परिवेशी तंत्र के चेहरे पर करारा तमाचा बताते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने टुकड़े-टुकड़े के पोस्टर ब्वॉय उमर खालिद और शरजील इमाम को निर्दोष पीड़ित के रूप में पेश किया।उन्होंने आरोप लगाया कि जनमत की अदालत और कानून की अदालत में गांधी के अर्बन नक्सली पराजित हुए हैं। भंडारी ने कहा, क्या कांग्रेस भारत के लिए शत्रुतापूर्ण टुकड़े-टुकड़े ताकतों को पीड़ित के रूप में पेश करने के लिए देश से माफी मांगेगी?

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886